शर्मा হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 289 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 23 मई, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अमेरिका में इजराइली दूतावास में बरसी गोलियां, दो कर्मचारियों की हत्या पेज 2

बाढ़ प्रबंधन और तटकटाव नियंत्रण के लिए असम सरकार-आईआईटी गुवाहाटी... पेज 3

भाखड़ा बांध पर सीआईएसएफ की तैनाती का पंजाब सरकार ने किया विरोध पेज 5

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 की बदौलत नए पंख लगाकर उड़ान भरने को तैयार दीव पेज 7

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुर्बल के साथ संधि न करें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

असम : तेज बारिश को लेकर अलर्ट जारी

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के बोरझार स्थित क्षेत्रीय मौसम विभाग ने राज्य के चार जिलों में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है जबकि 17 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। पूर्व चेतावनी के अनुसार राज्य में मौसम और खराब हो सकता है। पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है जिसके चलते गुवाहाटी के निचले इलाकों में जल भराव से सामान्य जन-जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने कोकराझार, चिरांग, -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान को हमले के बाद दी गई थी सूचना : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को पहले निशाना बनाया गया और बाद में पाकिस्तान को सूचना दी गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हमने डीजीएमओ के माध्यम से पाकिस्तान को बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री ने 103 पुनर्विकसित अमृत रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल माध्यम से किया उद्घाटन

बीकानेर/जयपुर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बीकानेर जिले के देशनोक में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों को वर्चुअल माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन की भी सौगात दी। उन्होंने देशनोक रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में एक लाख करोड़ रुपए की लागत से 1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इसी क्रम में पुनर्विकसित किए गए 103 रेलवे स्टेशनों में राजस्थान के आठ रेलवे स्टेशन देशनोक, गोगामेड़ी, बूंदी, माण्डलगढ़, गोविंदगढ़, मण्डावर-महुआ रोड, फतेहपुर शेखावाटी और राजगढ़ शामिल हैं। हर स्टेशन के विकास में विरासत भी-विकास भी के मूलमंत्र के आधार पर स्थानीय वास्तुकला एवं संस्कृति से प्रेरित निर्माण के साथ ही आधुनिक सुविधाओं का समायोजन किया गया हैं। उद्घाटन के दौरान इन स्टेशनों पर भी समारोह आयोजित किए गए, जिनमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही आमजन व स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी बच्चों से भी मिले। उन्होंने बच्चों द्वारा बनाई पेंटिंग्स की सराहना की। इस दौरान बच्चों ने भारत माता की जयघोष से परिसर को गुंजायमान कर दिया। प्रधानमंत्री ने स्टेशन परिसर में शहीदों के सम्मान में प्रदर्शनी गैलेरी का भी अवलोकन किया। प्रधानमंत्री ने राज्य में बुनियादी ढांचे, संपर्क सुविधा, बिजली आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं और पानी की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए जमकर सौगातों की बौछार कीं। उन्होंने पूरे राजस्थान में 25 महत्वपूर्ण राज्य सरकार की परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन -शेष पृष्ठ दो पर

138 साल पुराने हैबरगांव रेलवे स्टेशन का पीएम ने किया उद्घाटन

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मध्य असम के नागांव जिले में पुनर्विकसित 138 साल पुराने हैबरगांव रेलवे स्टेशन का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। यह देश भर के 86 जिलों में 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन से जुड़े एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के अधिकारियों ने बताया कि उद्घाटन समारोह -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने केंद्रीय वित्त मंत्री से की मुलाकात, कहा-

असम 2027-28 तक 10 लाख करोड़ रुपए का जीएसडीपी बनाएगा

गुवाहाटी/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैठक के दौरान अपनी सरकार की विकास गति और 2027-2028 तक 10 लाख करोड़ रुपए के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का निर्माण करने की योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री को राज्य सरकार द्वारा संसाधन जुटाने और राजस्व उत्पन्न करने के लिए की गई पहलों के बाद आर्थिक मोर्चे पर असम द्वारा की गई तीव्र प्रगति से भी अवगत कराया, जिसके परिणामस्वरूप असम देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री ने असम के विकास पथ और 2027-2028 तक 10 लाख करोड़ रुपए के जीएसडीपी का निर्माण करने की योजनाओं को रेखांकित किया। शर्मा ने नई दिल्ली में नॉर्थ ब्लॉक स्थित अपने कार्यालय में सीतारमण से मुलाकात की। वहीं केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने राज्य सरकार की आर्थिक सुधारों की सराहना की और असम एवं देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने भविष्य में हरसंभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया। उधर अधिकारी के अनुसार, उन्होंने राज्य सरकार द्वारा राज्य और पूरे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की और आने वाले दिनों में हर संभव मदद और समर्थन देने का आश्वासन दिया। शर्मा ने बाद में कहा कि हमने असम के विकास पथ, यह कैसे देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक बनकर उभरा है और 2027-2028 तक 10 लाख करोड़ रुपए के जीएसडीपी का निर्माण करने की हमारी योजनाओं पर अच्छी चर्चा की। बैठक के दौरान वित्त मंत्रालय और असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बाद में शाम को -शेष पृष्ठ दो पर

गोलाघाट में भीड़ ने रॉयल बंगाल टाइगर को मार डाला, खाल और दांत निकाले

गोलाघाट। पूर्वी असम के गोलाघाट जिले में पुलिस ने गुरुवार (22 मई, 2025) को एक वयस्क बाघ को मारने और उसके शव को क्षत-विक्षत करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी पर आरोप है कि उसने जानवर की आंशिक खाल उतारने और उसके शरीर के कई अंग निकालने में भाग लिया था। गोलाघाट वन प्रभाग के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 8.30 बजे सूचना मिली कि दुसुतीमुख इलाके में स्थित बोरबील में लोगों के एक समूह ने एक बाघ पर हमला कर दिया है। जब तक वनकर्मी मौके पर पहुंचे, तब तक बाघ की मौत हो चुकी थी। शव के अगले पैर, पंजे, पूंछ, दांत और कान गायब थे। अधिकारियों ने बताया कि बाघ की खाल उतारने की भी कोशिश की गई। गोलाघाट के प्रभागीय वन अधिकारी गौनादीप दास ने बताया कि ग्रामीणों ने कथित तौर पर इस संदेह में बाघ को मार डाला कि वह नरभक्षी है। स्थानीय निवासी कथित तौर पर एक महीने से अधिक समय से चिंतित थे, क्योंकि माना जाता है कि -शेष पृष्ठ दो पर

व्यक्ति ने नौका से ब्रह्मपुत्र में लगाई छलांग, सीएम के नाम छोड़ा सुसाइड नोट

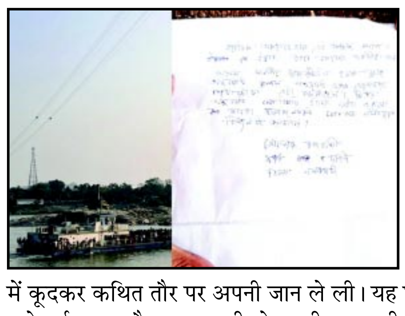

नलबाड़ी। 22 मई को एमवी भागीरथी के यात्रियों में उस समय सदमे और दुख की भावना व्याप्त हो गई, जब नलबाड़ी जिले के दाहुदी निवासी गोलोक राजबोंगशी नामक एक व्यक्ति ने ब्रह्मपुत्र नदी में कूदकर कथित तौर पर अपनी जान ले ली। यह घटना दोपहर करीब 3:20 बजे हुई, जब नौका गुवाहाटी से उत्तरी गुवाहाटी के राजाद्वार जा रही थी। राजबोंगशी, जो इस घटना से पहले शांत दिखाई दे रहे थे, ने फेरी डेक पर एक छोटा बंडल छोड़ा जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को संबोधित एक हस्तलिखित सुसाइड नोट, एक जोड़ी चप्पल -शेष पृष्ठ दो पर

अंतरिक्ष स्टेशन, गगनयान और चंद्र अभियानों की तैयारियों में जुटा भारत : इसरो प्रमुख

कोलकाता (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) के प्रमुख वी. नारायणन ने गुरुवार को बताया कि भारत अपने पहले स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कदम देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में और मजबूत करेगा। कोलकाता के राममोहन मिशन में आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए नारायणन ने बताया कि देश की सुरक्षा और नागरिकों की भलाई के लिए अंतरिक्ष तकनीक का सक्रिय रूप से उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन कानून पर अंतरिम रोक के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने बहस पूरी करके अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। तीन दिन चली बहस में याचिकाकर्ताओं ने कानून को मुसलमानों के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ और भेदभावपूर्ण बताते हुए अंतरिम रोक लगाने की मांग की जबकि केंद्र सरकार ने कानून को सही बताते हुए अंतरिम रोक का जोरदार विरोध किया। केंद्र सरकार की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कानून में वक्फ करने वाले के लिए पांच वर्ष का प्रैक्टिसिंग मुस्लिम होने की अनिवार्यता के प्रविधान को सही ठहराते हुए कहा कि शरिया कानून में भी अगर कोई मुस्लिम पर्सनल ला का लाभ लेना चाहता है तो उसे भी मुस्लिम होने का घोषणापत्र देना होता है, इस कानून में भी यही है बस पांच साल के प्रैक्टिसिंग मुस्लिम होने की बात कही गई है। अधिसूचित जनजातीय क्षेत्र में वक्फ की मनाही के प्रविधान को सही ठहराते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा जनजातीय लोगों के हितों को ध्यान में रखकर किया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई ने सत्यपाल मलिक के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के एक मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। सीबीआई अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। आरोपपत्र में सत्यपाल मलिक के अलावा उनके दो निजी सचिवों और चार अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। यह मामला जम्मू-कश्मीर में 624 मेगावाट की किरू जलविद्युत परियोजना से संबंधित है। -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति ने दिए गैलेंट्री अवॉर्ड्स, बहादुरी के लिए सेना के जवानों किया सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोप-1 के दौरान देश के जांबाज सैनिकों को शौर्य चक्र और अन्य वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया। यह सम्मान उन सैन्यकर्मियों को प्रदान किए गए जिन्होंने अत्यंत बहादुरी, साहस और बलिदान का परिचय दिया। समारोह का आयोजन राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में किया गया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित तीनों सेनाओं के प्रमुख उपस्थित रहे। इस गरिमामय अवसर पर देश ने अपने उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि और सम्मान दिया, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी या असाधारण साहस का परिचय दिया। समारोह देश की सैन्य परंपरा और वीरता के प्रति सम्मान का प्रतीक बना। इस दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में एएमडब्ल्यूजेयू और ईजीएम ने किया सरकारी समाचार का बहिष्कार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में पत्रकारों ने प्रेस की स्वतंत्रता के उल्लंघन के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज करते हुए सरकार से जुड़ी खबरों का बहिष्कार जारी रखा है। गुरुवार को इंफाल में अखबारों का प्रकाशन ठप रहा, जबकि स्थानीय केबल नेटवर्क बुधवार से ही बंद हैं। इस विरोध की अगुवाई ऑल मणिपुर वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन (एएमडब्ल्यूजेयू) और एडिटर्स गिल्ड ऑफ मणिपुर (ईजीएम) ने की, जिन्होंने पूर्ण रूप से *पेन डाउन स्ट्राइक* का आह्वान किया। 20 मई को जब इंफाल ईस्ट जिले के ग्वालाताबी चेकपोस्ट के पास सुरक्षा बलों ने पत्रकारों से कथित रूप से सरकारी वाहन पर लिखे *मणिपुर स्टेट ट्रांसपोर्ट* के चिन्ह को ढकने को कहा। पत्रकार उस समय उखरूल जिले के लिए निकले थे, जहां वे शिरुई लिली -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके ही नहीं पूरा पाकिस्तान हो भारत का *हिस्सा*... लाखों पाकिस्तानियों की चाहत

इस्लामाबाद। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद शहबाज शरीफ सरकार से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को खाली करने की मांग की है। इसी बीच पाकिस्तान के एक सर्वे ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। इस सर्वे की मानें तो 3 प्रतिशत पाकिस्तानी अब भी ऐसे हैं, जो पाकिस्तान को भारत के साथ ही देखना चाहते हैं। सूत्रों ने अंतर्राष्ट्रीय गैलोप सर्वे एजेंसी के हवाले से एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें सवाल पूछा गया है कि क्या आप 1947 में पैदा होते तो भारत और पाकिस्तान का विभाजन होने देते। अधिकांश पाकिस्तानियों ने इस सर्वे के जवाब में हां कहा है, लेकिन ना के पक्ष में जो आंकड़े हैं, वो काफी दिलचस्प है। सर्वे में शामिल 3 प्रतिशत लोगों का कहना था कि वो 1947 में रहते तो विभाजन के खिलाफ वोट करते। यानी इन लोगों का कहना था कि मैं चाहता हूं कि भारत और पाकिस्तान एक ही रहे। पाकिस्तान अलग मुल्क न बने। पाकिस्तान में ये आंकड़ा काफी हैरान करने वाला है। वो भी तब, जब सेना प्रमुख असीम मुनीर -शेष पृष्ठ दो पर

खतरे में यूनुस की कुर्सी, सेना प्रमुख ने दे दिया अल्टिमेटम

ढाका। बांग्लादेश में जारी राजनीतिक अशांति के बीच सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान ने कहा कि वे चाहते हैं कि इस वर्ष दिसंबर तक चुनाव हो जाए और एक निर्वाचित सरकार कार्यभार संभाले। प्रोथोम अलो अखबार के अनुसार, उन्होंने अंतरिम सरकार के कुछ नीतिगत फैसलों पर अपनी निराशा भी व्यक्त की। यह बयान अंतरिम सरकार की ओर से संसदीय चुनावों के लिए कोई स्पष्ट रोडमैप की घोषणा नहीं किए जाने के बाद आया है। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जमान ने कहा कि इस मामले में उनका रुख पहले जैसा है। एक निर्वाचित सरकार को देश के भविष्य की दिशा तय करने का अधिकार है। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

अमेरिका में इजराइली दूतावास में बरसी गोलियां, दो कर्मचारियों की हत्या

वाशिंगटन। अमेरिका में वाशिंगटन स्थित इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की बुधवार शाम एक यहूदी संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम से बाहर निकलते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी और बताया कि इस घटना के संबंध में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया जिसने *फिलीस्तीन को आजाद करो* के नारे लगाए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वह वाशिंगटन में इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों की *भयावह, यहूदी विरोधी* शर्मनाक गोलीबारी से *स्तब्ध* हैं। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने दुनिया भर में इजरायली मिशनों को सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस प्रमुख पामेला स्मिथ ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि *कैपिटल यहूदी संग्रहालय* में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद एक पुरुष और एक महिला वहां से बाहर निकल रहे थे तभी 30 वर्षीय संदिग्ध चार लोगों के समूह के पास पहुंचा और उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। स्मिथ ने बताया कि संदिग्ध को गोलीबारी से पहले संग्रहालय के बाहर घूमते देखा गया था। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के बाद वह संग्रहालय के अंदर गया और वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे हिरासत में ले लिया। स्मिथ ने कहा कि जब उसे हिरासत में लिया गया तो उसने फलस्तीन को आजाद करो के नारे लगाए। अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने कहा कि वह पूर्व न्यायाधीश जीनिन पीरो के साथ घटनास्थल पर मौजूद हैं। पीरो वाशिंगटन में अमेरिकी अटॉर्नी के पद पर कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनी डैनन ने गोलीबारी को *यहूदी विरोधी आतंकवाद का घृणित कृत्य* करार दिया। डैनन ने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि हमें विश्वास है कि अमेरिकी अधिकारी इस आपराधिक कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।

मप्र के मैहर में पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा में चूक, घेरा तोड़कर भागा युवक

मैहर (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मैहर नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। सरसंघचालक डॉ. भागवत गुरुवार को रेल मार्ग से मैहर पहुंचे। यहां उनका काफिला स्टेट बैंक चौराहे पर पहुंचा तो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद एक युवक सुरक्षा घेरे में घुसने के बाद भाग गया। हालांकि, बाद में पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है। सरसंघचालक डॉ. भागवत रीवा में आयोजित आरएसएस के तीन दिवसीय शिविर में शिरकत करने के लिए आए हैं। इसके लिए वे गुरुवार सुबह 11 बजे जनता एक्सप्रेस से मैहर पहुंचे। उनके आगमन की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर था। मैहर रेलवे स्टेशन पर संघ प्रमुख भागवत के आगमन को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। स्टेशन पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात था। स्टेशन के एक हिस्से को ब्लॉक कर दिया गया। आस-पास के चौराहों पर यातायात को रोक दिया गया था। सुरक्षा घेरे में उन्हें कार तक ले जाया गया। भारी सुरक्षा के बीच वे सड़क मार्ग से रीवा के लिए रवाना हो गए। पुलिस ने सरसंघचालक की सुरक्षा को देखते हुए रीवा जाने वाले मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा रखी थी। मैहर में सरसंघचालक डॉ. भागवत का काफिला जैसे ही स्टेट बैंक चौराहे पहुंचा, तभी भीरू साकेत नाम का 21 वर्षीय युवक पुलिस को चकमा देकर सुरक्षा घेरे को तोड़कर भाग गया।

DDB-25/6th ASFC/2022/ *Dtd-19/05/2025*

NOTICE INVITING TENDER.

Sealed Tenders are invited with affixing non refundable court fee of Rs. 8.25 (Rupees Eight and twenty-five paise) only by the undersigned, BTC, Kokrajhar from the intending Contractors/Suppliers/Firms for the works mentioned below under 6th ASFC for the year 2024-25.

Sl. No.	Name of Activity.	Estimated value (in. Rs.)	EMD/Bid Security. (in Rs.1% ST, SC & 2% Oth)	Tender fees. (in Rs.)
1	Repairing of Simlaguri Jwnglary Library Cum-Club.	Rs. 12,00,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs. 360.00
2	Repairing of ABWWF Office Dotma.	Rs. 5,00,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs. 150.00
3	Repairing of Bangaldoba Bundh.	Rs. 8,00,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs. 240.00
4	Minor Repapiging of Bijay Nagar Tutor L.P. School.	Rs.3,50,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs.100.00
5	Const. of Community Hall at Dwimuguri village (Rabhapara).	Rs. 12,00,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs. 360.00
6	Const. of RCC Box Culvert at No.3 Bhutiapara village near Bilifang House.	Rs. 8,00,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs. 240.00
7	Const. of RCC Box Culvert at Shyamdharpara village paddy field Road.	Rs. 7,00,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs. 210.00
8	Const. of Drop Culvert at Sushan Boro Paddy field.	Rs. 6,00,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs. 180.00
9	Repairing of Heavy S/G and E/W at South Ramfalbil Road.	Rs. 4,00,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs. 120.00
10	Cnst. Of Box Culvert at Beltari village near Amar Basumatary House.	Rs. 6,53,000.00	1% for reserve category & 2% for unreserve.	Rs. 200.00

Pre-bid Date & Time : On **25/05/2025 10:30 A.M.**
Last Date & Time of Bid submission : Upto **09/06/2025 02:00 P.M.**
Date & Time of Bid Opening : On **09/06/2025 02:30 P.M.**

The Tender document can be seen/obtained from the undersigned during Office hours a pre-bid meeting will be held as mentioned above. The address for the meeting is BDO's Chamber Dotma Dev. Block Dotma. The bid will be opened in the Office of the undersigned as per the schedule mentioned above. The TIA reserves the right to accepts or reject any bid/ tender and to cancel/annual the bidding process and reject all bids at any time prior to contract award.

Sd/-Block Development Officer,
Dotma Development Block, Dotma

IPR(BTC)/C/2025-26/464

शोणितपुर पुलिस छावनी में गोलीबारी, दो पुलिस कर्मी निलंबित

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर पुलिस छावनी में गोलीबारी की घटना के सिलसिले में दो पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। कांस्टेबल विजय बोरा और लांस नायक लोकनाथ बसुमतारी को निलंबित किया गया है। गोलीबारी बुधवार शाम को शोणितपुर पुलिस छावनी के शस्त्रागार में हुई थी। बताया गया है कि शस्त्रागार का प्रभारी कांस्टेबल विजय बोरा ने गोली चलाई थी। जानकारी के अनुसार, दोनों कांस्टेबल विजय बोरा और लांस नायक लोकनाथ बसुमतारी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी, इसी दौरान विजय बोरा ने हवा में गोली चलाई थी।

ड्रग्स तस्करी का दो आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की पान बाजार पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पानी बाजार इलाके के दो नंबर रेलवे गेट के पास चलाए गए अभियान के दौरान 11 प्लास्टिक की शीशियों में भरकर रख गए 14.55 ग्राम हेरोइन के साथ दोनों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कबीर विश्वकर्मा (27, तामूलपुर) और रोहन रंग्हांग (26, कार्बी आंग्लांग) के रूप में की गई है।

बोको के गोहालकोना में नदी में डूबे व्यक्ति का शव मिला

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के बोको थानांतर्गत गोहालकोना में नदी में डूबने के बाद से लापता हुए एक व्यक्ति का शव आज बोको नदी में मिला। बोको के नादियापारा में स्थानीय लोगों ने शव को नदी में देखा। इसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बोको पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि बीते सोमवार को व्यक्ति बोको नदी में गिरने के बाद से लापता हो गया था।

नलबारी के बरभाग में नदी में डूबा छात्र, तलाश जारी

नलबारी (हिंस)। नलबाड़ी जिला अंतर्गत बरभाग में आज एक छात्र हादसे का शिकार हो गया। नदी में स्नान करने के दौरान छात्र नदी में डूब गया। पीड़ित की पहचान दुखुतिमुख, बरबाग निवासी जुनैद रहमान के रूप में हुई। जुनैद रहमान मूल रूप से कमारकुची का रहने वाला है। जुनैद रहमान बरभाग शंकरदेव शिशु निकेतन के 10वीं कक्षा का छात्र है। लोगों ने बताया है कि जुनैद अपने साथियों के साथ दुखुतिमुख में भोजन करने गया था। सूचना मिलते ही पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची। सूचना मिलने तक छात्र का पता नहीं चल पाया था। इस घटना से इलाके में शोक व्याप्त है।

पृष्ठ एक का शेष

प्रधानमंत्री ने 103 पुनर्विकसित ...

और राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें 3,240 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 750 किलोमीटर से अधिक लंबाई के 12 राज्य राजमार्गों के उन्नयन और रखरखाव के लिए परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करना शामिल है। कार्यक्रम के तहत आगे विस्तार में अतिरिक्त 900 किलोमीटर नए राजमार्ग का भी निर्माण किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने बीकानेर और उदयपुर में भी बिजली परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने राजसमंद, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, धौलपुर में नर्सिंग कॉलेजों का भी उद्घाटन किया जो राज्य में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। झुंझुनू जिले में ग्रामीण जलापूर्ति और फ्लोरोसिस शमन परियोजना, अमृत 2.0 के अंतर्गत पाली जिले के सात शहरों में शहरी जलापूर्ति योजनाओं के पुनर्गठन सहित क्षेत्र में विभिन्न जल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल समेत विभिन्न जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

138 साल पुराने ...

में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा, असम के राजस्व मंत्री केशव महंत और अन्य महत्वपूर्ण हस्तियां मौजूद थीं। अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत, लगभग 1,100 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित 103 स्टेशन 86 जिलों में स्थित हैं और इनमें आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के प्रमुख और छोटे स्टेशन शामिल हैं। एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने कहा कि मध्य असम के नागांव में हैबरगांव स्टेशन, एबीएसएस के तहत पुनर्विकास के लिए राज्य में पहचाने गए 50 स्टेशनों में से पूर्वोत्तर राज्य का पहला रेलवे स्टेशन बन गया है। सीपीआरओ ने कहा कि गुरूवार का दिन असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था। यह घटना एबीएसएस के राष्ट्रीय रोलआउट में एक मील का पत्थर है, क्योंकि हैबरगांव असम में पहचाने गए 50 स्टेशनों में से पहला पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन है, जिसका उद्घाटन इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत किया गया है। मूल रूप से 1887 में निर्मित हैबरगांव का पुनर्निर्माण लगभग 15.85 करोड़ रुपए की परियोजना लागत से किया गया, जो इस क्षेत्र में रेल अवसंरचना के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत है। उन्होंने कहा कि हैबरगांव स्टेशन का पुनर्विकास न केवल तकनीकी और वास्तुशिल्प उन्नयन का प्रतीक है, बल्कि भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को तीव्र राष्ट्रीय विकास के दायरे में लाने की सरकार की मंशा का भी प्रतीक है। शर्मा ने कहा कि असम में एबीएसएस के तहत उद्घाटन किए जाने वाले पहले स्टेशन के रूप में हैबरगांव का चयन इसके रणनीतिक महत्व और यात्री-केंद्रित आधुनिकीकरण के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ परियोजना के सफल निष्पादन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अपनी उन्नत सुविधाओं, बेहतर पहुंच और सांस्कृतिक सौंदर्य के साथ यह स्टेशन पुनर्विकास के लिए तैयार असम के 49 अन्य स्टेशनों के लिए एक मानक स्थापित करता है। सीपीआरओ ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आधुनिक रेल अनुभव के इस प्रवेशद्वार का उद्घाटन किए जाने के साथ ही हैबरगांव न केवल एक स्टेशन के रूप में उभरा है, बल्कि असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के लिए प्रगति, गौरव और आशा का प्रतीक बन गया है।

असम 2027-28 तक ...

उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की और गुवाहाटी में आगामी आईआईएम परिसर के संचालन पर चर्चा की। शर्मा ने प्रधान से आईआईएम परिसर को चालू करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि नए आईआईएम परिसर को पूरी तरह से चालू करने के लिए सही कदम उठाए जाएंगे। प्रधान ने शर्मा के साथ असम की आबादी को विश्व स्तरीय शिक्षा से लैस करने के तरीकों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए मुख्यमंत्री के जोरदार प्रयासों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री के साथ उनके प्रधान सचिव डॉ. के.के. द्विवेदी और नई दिल्ली स्थित असम भवन की रेजिडेंट कमिश्नर कविता पद्मनाभन भी थीं। छह दिवसीय आधिकारिक कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे शर्मा नई दिल्ली में दो दिवसीय *राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट* में भी शामिल होंगे, जिसका उद्घाटन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। शर्मा शनिवार को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में शामिल होंगे। रविवार को मुख्यमंत्री भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा बुलाई गई बैठक में भी शामिल होंगे, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों से बातचीत करेंगे। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान मोदी ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दे सकते हैं और सुझाव दे सकते हैं कि वे लोगों को आतंकवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई के बारे में बताएं। असम में आयोजित निवेशक सम्मेलन के बाद सोमवार को शर्मा नई दिल्ली में उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ बैठक करेंगे। इस बीच, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने गुरुवार को ब्रह्मपुत्र पर बहुप्रतीक्षित जोरहाट-माजुली पुल के लिए निविदा जारी कर दी। 6.81 किलोमीटर लंबे इस दो लेन वाले पुल का निर्माण 600.51 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से किया जाएगा। मुख्यमंत्री शर्मा लगातार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से निविदा प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आग्रह कर रहे हैं। असम के लिए बहुत अच्छी खबर है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने आज बहुप्रतीक्षित जोरहाट-माजुली पुल के लिए निविदा जारी की है - यह 6.81 किलोमीटर लंबा, 2-लेन पुल है जिसकी अनुमानित लागत 600.51 करोड़ रुपए है, सीएम ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा।

गोलाघाट में भीड़ ने ...

बाघ ने एक व्यक्ति को मार डाला था और मवेशियों का शिकार किया था। दास ने कहा कि हमने मामला दर्ज कर लिया है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि बाघ पर भालों, छुरों और लाठियों से हमला किया गया था। वन और पुलिस कर्मियों के पहुंचने से पहले ही बाघों का समूह वहां से भाग गया। अधिकारियों ने बताया कि घटना में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। इस वर्ष की शुरुआत में दो अन्य बाघों के शव बरामद किए गए थे - एक ओरांग राष्ट्रीय उद्यान से और दूसरा विश्वनाथ वन्यजीव प्रभाग से - जिससे असम के वन क्षेत्रों में बड़ी बिल्लियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। वहीं खुमटाई विधायक मृणाल सैकिया ने हत्या की निंदा की और घटना को *दुर्भाग्यपूर्ण और खेदजनक* बताया। उन्होंने सरकार के हस्तक्षेप का भी आह्वान किया तथा वन्यजीव संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए बेहतर तैयारी की आवश्यकता पर बल दिया।

व्यक्ति ने नौका से...

और 300 रुपए नकद थे। उनके अंतिम संदेश में उनके दुखद निर्णय के पीछे शारीरिक बीमारी और भावनात्मक संकट को कारण बताया गया था। भावनात्मक रूप से आवेशित नोट में राजबोंगशी ने दो गंभीर अपीलें कीं: उन्होंने लिखा कि शारीरिक बीमारी के कारण मैंने यह कदम उठाया। इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। माननीय मुख्यमंत्री से मेरी सिर्फ दो ही विनती हैं। पहली, कृपया मेरे इकलौते बेटे को नौकरी दिलवाएं। दूसरी, एसडीआरएफ या एनडीआरएफ को मेरा शव ढूंढ़ने का निर्देश न दें। मुझे नदी के क्षितिज में विलीन होने दें। नौका पर सवार प्रत्यक्षदर्शी स्तब्ध रह गए, क्योंकि वे समय रहते इस घटना को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठा पाए। अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया, और एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की खोज और बचाव टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया। हालांकि, इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक राजबोंगशी का शव अभी तक नहीं मिला है।

वक्फ संशोधन कानून पर ...

केंद्र सरकार की ओर से सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने गुरुवार को कानून का बचाव करते हुए कहा कि पुराने कानून में भी था कि वक्फ करने वाला मुसलमान होगा लेकिन 2013 के कानून में संशोधन करके मुसलमान शब्द हटा कर कोई भी व्यक्ति कर दिया गया था अब इस नए संशोधित कानून 2025 में उसे बदला गया है। मेहता ने कहा कि वक्फ तो मुसलमान ही करेगा। और अगर कोई हिन्दू वक्फ को दान करना चाहता है तो अभी भी कर सकता है उस पर कानून में कोई रोक नहीं है। अगर हिन्दू किसी मस्जिद को बनवाना चाहता है तो ऐसा कर सकता है, एक ट्रस्ट के जरिए ऐसा किया जा सकता है। उन्होंने कानून में वक्फ करने वाले के लिए पांच वर्ष के लिए प्रैक्टिसिंग मुस्लिम होने की अनिवार्यता के प्रविधान को सही ठहराते हुए दलील दी कि शरिया कानून में भी अगर कोई मुस्लिम पर्सनल ला का लाभ लेना चाहता है तो उसे भी मुस्लिम होने का घोषणापत्र देना होता है। शरिया कानून मुसलमानों के शादी, तलाक, उत्तराधिकार आदि के बारे में है। मेहता ने कहा कि इस कानून में (वक्फ संशोधन कानून 2025) भी यही है बस पांच साल के प्रैक्टिसिंग मुस्लिम होने की बात कही गई है। हालांकि मेहता की इस दलील का कानून का विरोध कर रहे याचिकाकर्ता के वकील अभीषेक मनु सिंघवी ने विरोध किया उन्होंने कहा कि इस कानून की तुलना शरिया कानून से नहीं की जा सकती। वैसे भी शरिया कानून में हमारे पास उसे मानने न मानने का विकल्प होता है। सिंघवी ने कहा कि इसके अलावा ऐसा कोई कानून नहीं है, जिसमें पांच साल के प्रैक्टिसिंग मुस्लिम होने की शर्त हो। इतना ही नहीं मुसलमानों के लिए इस कानून में ऐसी शर्त रखी गई है जबकि और धर्मों के कानूनों में अन्य धर्मावलंबियों के लिए ऐसी कोई शर्त नहीं है इसलिए ये प्रविधान संविधान के अनुच्छेद 15 का उल्लंघन करता है।

भ्रष्टाचार मामले में ...

आरोप है कि परियोजना के ठेका देने में अनियमितताएं हुई थीं। सीबीआई ने इस संबंध में 2022 में प्रारंभिक जांच शुरू की थी और बाद में मामला दर्ज किया गया था। जिसमें आज आरोप पत्र दाखिल किया गया। आरोप पत्र दाखिल होने की सूचना मिलने के कुछ देर बाद ही यह समाचार भी सामने आया है कि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पताल में भर्ती होने की सूचना भी खुद उन्होंने ही पुष्ट की है। सत्यपाल मलिक के ट्वीटर हैंडल पर अस्पताल के बेड के चित्र समेत एक संदेश जारी किया गया है। इसमें सत्यपाल मलिक ने लिखा है कि नमस्कार साथियों। मेरे बहुत से शुभचिंतकों के फोन आ रहे हैं जिन्हें उठाने में मैं असमर्थ हूं। अभी मेरी हालत बहुत खराब है। मैं किसी से भी बात करने की हालत में नहीं हूं। 11 मई से राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती हूं। संक्रमण की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती किया गया था। अब स्थिति बहुत गंभीर है और पिछले तीन दिनों से किडनी डायलिसिस की जा रही है।

राष्ट्रपति ने दिए ...

राष्ट्रपति ने द सिख लाइट इन्फैंट्री 19 राष्ट्रीय राइफल्स सिपाही प्रदीप सिंह और मेजर आशीष ढोंचक (सेना मेडल) को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो बार डाइस से नीचे उतरकर शहीद जवान के परिवारों को गले से लगाया। शौर्य चक्र पाने वालों में स्क्वॉड्रन लीडर दीपक कुमार, राजपूत रेजिमेंट 44वीं बटालियन राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर विजय वर्मा, डिप्टी कमांडेंट विक्रांत कुमार, पैराशूट रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल सीवीएस निखिल, आर्मी सर्विस कोर के मेजर तृप्तप्रीत सिंह, सीआरपीएफ के जेफरी हमिंगचुल्लो, इंस्पेक्टर (जीडी), जम्मू और कश्मीर पुलिस के स्पेशल पुलिस ऑफिसर अब्दुल लतीफ का नाम शामिल है। इनके अलावा जम्मू और कश्मीर राइफल्स 5वीं बटालियन के सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया, लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल यादव, स्क्वाड्रन लीडर दीपक कुमार, द आर्टिलरी रेजिमेंट के सूबेदार पी। पबिन सिंगा, कर्नल पवन सिंह, 666 आर्मी एविएशन स्क्वॉड्रन, विंग कमांडर वर्नोन डेसमंड कीन, मेजर साहिल रंधावा को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल यादव, एईओ आईएनएस विशाखापट्टनम और आर्मी सर्विस कोर्प्स 34 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर तृप्तप्रीत सिंह को भी राष्ट्रपति ने शौर्य चक्र से सम्मानित किया।

अंतरिक्ष स्टेशन, गगनयान...

समुद्री सीमा 11 हजार 500 किलोमीटर से भी अधिक है और साथ ही उत्तरी सीमा भी बेहद संवेदनशील है। इन सीमाओं की निगरानी के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। 57 सैटेलाइट दे रहे हैं सेवाएंनारायणन ने बताया कि वर्तमान में इसरो के 57 उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में कार्यरत हैं, जो मौसम पूर्वानुमान से लेकर सुदूर क्षेत्रों में टेली-एजुकेशन तक विभिन्न सेवाएं दे रहे हैं। इन उपग्रहों की मदद से नागरिकों को समय पर जानकारी मिल रही है, जिससे कई क्षेत्रों में लाभ हो रहा है। 50 टन से अधिक वजनी होगा भारत का अंतरिक्ष स्टेशनइसरो प्रमुख ने बताया कि भारत द्वारा प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन का वजन 50 टन से अधिक होगा। यह परियोजना भारत की वैज्ञानिक क्षमता और वैश्विक स्पेस पावर बनने की महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। हाल ही में पीएसएलवी-सी61/ईओएस-09 मिशन की विफलता पर नारायणन ने कहा कि यह इसरो के शानदार रिकॉर्ड में एक दुर्लभ अपवाद है और इससे भविष्य की योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जल्द लांच होगा गगनयाननारायणन ने बताया कि भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन *गगनयान* जल्द ही बिना किसी यात्री के परीक्षण उड़ान के रूप में प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके बाद दो मानवयुक्त मिशन भी जल्द ही प्रक्षेपित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि *चंद्रयान-4* मिशन अगले ढाई वर्षों में प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य चंद्रमा से सैंपल लाना है। वहीं, *चंद्रयान-5* मिशन जापान के साथ मिलकर संचालित किया जाएगा। इसमें 6,400 किलोग्राम वजनी लैंडर और 350 किलोग्राम का रोवर शामिल होगा, जिसकी उम्र 100 दिन होगी। इसकी तुलना में चंद्रयान-3 का लैंडर 1,600 किलोग्राम और रोवर 25 किलोग्राम का था। महिलाओं की भूमिका को किया रेखांकित राममोहन राय की 253वीं जयंती पर राममोहन मिशन स्कूल में छात्रों को संबोधित करते हुए नारायणन ने समाज सुधारकों और महिलाओं के उत्थान में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में महिला वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया।

मणिपुर में एएमडब्ल्यूजेयू और ...

महोत्सव की रिपोर्टिंग करने जा रहे थे। इसके बाद यह विवाद शुरु हुआ। इस निर्देश को प्रेस की आजादी पर सीधा हमला मानते हुए पत्रकारों ने इसे गंभीरता से लिया और राज्य की राजधानी इंफाल में प्रिंट और प्रसारण से जुड़ी सारी गतिविधियां रोक दी गईं। हालांकि 22 मई को राज्यपाल द्वारा जांच समिति गठित करने के आश्वासन के बाद सामान्य रिपोर्टिंग गतिविधियां आंशिक रूप से बहाल कर दी गईं। यह समिति ग्वालाताबी चेकपोस्ट की घटना की जांच करेगी, जो इंफाल से लगभग 25 किलोमीटर दूर हुई थी। इस बीच, एएमडब्ल्यूजेयू और ईजीएम ने साफ किया है कि वे राज्य और केंद्र सरकार की सभी गतिविधियों से जुड़ी खबरों का बहिष्कार जारी रखेंगे। हालांकि, शिरुई लिली महोत्सव की कवरेज जारी रहेगी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पत्रकार सांस्कृतिक रिपोर्टिंग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए सरकार के हस्तक्षेप का विरोध कर रहे हैं।

पीओके ही नहीं ...

ने हाल ही में अली जिन्ना के टू-नेशन थ्योरी को सही ठहराया था। मुनीर का कहना था कि पाकिस्तान का बंटवारा जरूरी था। मुनीर ने हाल ही में पाकिस्तान में दिए अपने एक भाषण ने पाकिस्तान के विभाजन को अल्लाह का फैसला बताया था। ऐसे में 3 प्रतिशत लोगों ने जिस तरीके से विरोध किया है। उससे सवाल उठ रहे हैं। सवाल इसलिए भी क्योंकि अगर यह पूरे पाकिस्तान का मूड हुआ तो इसकी संख्या लाखों में हो जाएगी। पाकिस्तान की आबादी 24 करोड़ है। इसका 3 प्रतिशत करीब 72 लाख है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने पिछले दिनों एक रिपोर्ट की थी। इस रिपोर्ट में लोगों का कहना था कि हम सरकार से त्रस्त हो चुके हैं। न यहां रोजी है न रोजगार। सरकार अगल ही शोषण पर उतारु है। अमेरिकी अखबार ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि पाकिस्तान के लोग चाहते हैं कि उस पर भारत ही हमला कर दे, जिससे आने वाले वक्त में नया परिवर्तन हो सके। 1947 में भारत से अलग होकर पाकिस्तान का गठन हुआ था। उस वक्त पाकिस्तान के हुक्मरान ने टू-नेशन थ्योरी के तहत इसे सही बताया था, लेकिन 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश का विभाजन हो गया।

खतरे में यूनुस की ...

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सहित कई राजनीतिक दल दिसंबर तक संसदीय चुनावों की मांग कर रहे हैं। बीएनपी कार्यकर्ताओं ने ढाका में मुख्य सलाहकार के निवास के बाहर प्रदर्शन कर दो छात्र सलाहकारों को अंतरिम सरकार की कैबिनेट से हटाने की भी मांग की है। हालांकि, छात्रों द्वारा संचालित पार्टी राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) चुनावों से पहले मौलिक सुधारों की मांग कर रही है। कथित तौर पर अंतरिम सरकार एनसीपी का समर्थन कर रही है। सेना प्रमुख ने भीड़ हिंसा या संगठित हमलों के खिलाफ भी सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संगठित भीड़ के नाम पर अराजकता या हिंसा सहन नहीं किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार निगरानी संस्था मानवाधिकार वाच ने मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की निंदा की है। साथ ही कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पर लगाया गया प्रतिबंध मनमाना है। यह हसीना और उनकी पार्टी के समर्थकों के अधिकारों का दमन है। अंतरिम सरकार ने 12 मई को संशोधित आतंकवाद विरोधी कानून के तहत अवामी लीग को आधिकारिक रूप से भंग कर दिया था। यह तबतक भंग रहेगी जब तक विशेष न्यायालय, पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान लोगों की मौत के मामले में सुनवाई पूरी नहीं कर लेता। संस्था ने कहा कि हाल के विधायी प्रयास से मौलिक स्वतंत्रताओं को कमजोर करने का जोखिम बढ़ गया है।

असम : तेज बारिश...

बाक्सा, बंगाईगांव, बरपेटा, नलबाड़ी, कामरूप (ग्रामीण), कामरूप (मेट्रो), ग्वालपाड़ा, कार्बी आंग्लांग, पश्चिम कार्बी आंग्लांग, डिमा हसाओ, कछार, शिवसागर, चराईदेउ, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया, जोरहाट जिलों में तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। दक्षिण सालमारा-मानकाचर, धुबड़ी, श्रीभूमि और हैलाकांदी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

पाकिस्तान को हमले ...

हमने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जवाब देने के अपने अधिकार का प्रयोग किया है। हमने हमले के बाद उन्हें बताया। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष और सैन्य कार्रवाई की स्थिति पर बात करते हुए कहा था कि ऑपरेशन की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह बाहर खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। उनके इसी बयान का एक वीडियो जारी करते हुए राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला था। राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के बयान को आधार बनाते हुए कहा था कि हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि इसे किसने अधिकृत किया और इसके परिणामस्वरूप हमारे वायुसेना के कितने विमान क्षतिग्रस्त हुए।

बाढ़ प्रबंधन और तटकटाव नियंत्रण के लिए असम सरकार-आईआईटी गुवाहाटी के बीच हुआ समझौता

प्रतिवर्ष जल संसाधन विभाग के 20 अभियंता ऑनलाइन एमटेक पाठ्यक्रम में लेंगे भाग

गुवाहाटी (हिंस)। बाढ़ प्रबंधन और तटकटाव नियंत्रण प्रणाली को और मजबूत बनाने के लिए गुरुवार को असम सरकार के जलसंसाधन विभाग और आईआईटी गुवाहाटी के बीच एक अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। यह समझौता दिसपुर स्थित जनता भवन में जलसंसाधन मंत्री पीयूष हजारिका की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। समझौते के तहत जलसंसाधन विभाग के 20 अभियंता हर साल आईआईटी गुवाहाटी के जलसंसाधन विषयक ऑनलाइन एमटेक पाठ्यक्रम में नामांकित होंगे। यह पहल विश्व बैंक समर्थित फ्लड एंड रिवर एरोजन मैनेजमेंट एजेंसी आफ असम (फ्रेमा) की एक विस्तृत परियोजना के हिस्से के तौर पर ली गई है, जिससे अगले 10 वर्षों में करीब 200 अभियंता तकनीकी दक्षता

हासिल कर सकेंगे। इसका उद्देश्य विभाग को आधुनिक तकनीक के उपयोग में और सक्षम बनाना है। मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा, जैसे चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत लोग निरंतर नए ज्ञान और नवाचारों से खुद को अपडेट करते हैं, वैसे ही जलसंसाधन जैसे संवेदनशील क्षेत्र में लगे अभियंताओं का आधुनिक तकनीक से परिचित रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में जलसंसाधन विभाग हर साल करीब 2000 करोड़ रुपए के बजट के साथ काम कर रहा है और बीते चार वर्षों में बाढ़ की मार को 60-70 फीसदी तक कम करने में सफलता मिली है। मंत्री ने यह भी कहा कि आज स्थायी समाधान तकनीक के सही इस्तेमाल से ही संभव है, क्योंकि अब राज्य में फंड की कोई कमी नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आईआईटी गुवाहाटी के साथ यह अकादमिक साझेदारी विभाग को तकनीकी रूप से और सशक्त बनाएगी। राज्य में करीब 4500 किलोमीटर लंबे बांध हैं, जिनमें से कई की पुन: मरम्मत अत्याधुनिक तकनीक से करना जरूरी है। कार्यक्रम में फ्रेमा के सीईओ डॉ. जीवन बिये, जलसंपदा विभाग के सचिव पवित्र राम खाऊंड और आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक प्रो. सुकुमार नंदी ने भी अपने विचार रखे। इसके अलावा विश्व बैंक के ग्लोबल लीड ग्रेग ब्रॉडर, विभाग के इंजीनियरिंग अधिकारी और आईआईटी के कई प्रोफेसर भी उपस्थित रहे।

असम पुलिस ने जब्त किए 948 अवैध सिम कार्ड, 7 गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राष्ट्रविरोधी शक्तियां भारत और असम को असुरक्षित बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। इस चुनौती का सामना करने में असम पुलिस लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए गुरुवार को बताया कि असम पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत 948 अवैध सिम कार्ड जब्त किए हैं और इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। यह नेटवर्क पाकिस्तान प्रायोजित साइबर अपराधों को बढ़ावा देने में संलिप्त था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भयावह साइबर अपराधों को रोकने के लिए असम पुलिस और राज्य सरकार की यह कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए असम पुलिस के कार्यों की सराहना की। ज्ञात हो कि असम पुलिस ने हाल ही में देश के अन्य कई हिस्सों में अभियान चलाकर अवैध सिम कार्य के साइबर अपराध का भंडाफोड़ किया था।

जाली नोट के साथ आरोपी गिरफ्तार सिलचर आईएसबीटी में डिलीवरी की थी तैयारी

कछार (हिंस)। असम के सिलचर से भारतीय नकली नोटों के साथ एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह नकली नोटों की डिलीवरी देने जा रहा था जब पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके पास से जाली नोट मिले। पुलिस को सूचना मिली थी कि कछार जिला सोनाई थाना क्षेत्र के नगदीग्राम पार्ट-3 निवासी सलीम उद्दीन लश्कर (47) सिलचर आईएसबीटी में बड़ी मात्रा में नकली भारतीय मुद्रा नोटों की डिलीवरी देने जा रहा है। वह ऑटो रिक्शा (एएस- 11ईसी 7058) से वहां पहुंचने वाला था। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई

करते हुए काजीदोर पॉइंट के पास उक्त ऑटो रिक्शा को रोका और सलीम उद्दीन लश्कर को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से कुल 126 नग 500 रुपए के भारतीय जाली नोट, जो प्रथम दृष्टया नकली प्रतीत हो रहे हैं, एक रेडमी मोबाइल हैंडसेट (हल्के नीले और सफेद रंग का), एक काले रंग की प्लास्टिक पॉलिथीन तथा एक ऑटो रिक्शा (एएस- 11ईसी 7058) बरामद किया गया। मामले में पुलिस आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बोकाखात में पीलिया का प्रकोप

गोलाघाट (हिंस)। असम के गोलाघाट जिले के बोकाखात इलाके के 2 नंबर बोहिखोआ गांव में जांडिस (पीलिया) बीमारी का प्रकोप देखा गया है। बीमारी के चलते अब तक दो युवकों की मौत हो चुकी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को गांव के मोरंग घर में जॉन्डिस, एन्सेफेलाइटिस और डेंगू जैसी बीमारियों को लेकर एक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में कई लोग जांडिस से पीड़ित हैं। करीब 15 दिन पहले संजीव सरो (25) नामक युवक की मौत जांडिस से हुई थी। इसके बाद बुधवार को कृष्णकांत सरो (24) की भी इसी बीमारी से मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में डर और चिंता का माहौल बन गया है। युवकों की मौत के बाद स्थानीय युवक और मिसिंग समुदाय के संगठन सामने आए और ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने के लिए बोकाखात स्वास्थ्य केंद्र में एक लिखित निवेदन सौंपा। इसके तहत गुरुवार को शहीद कमला मिरी उप-मंडलीय सिविल अस्पताल की एक टीम ने गांव में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया। बताया गया है कि गांव के कुछ अन्य लोग भी आंखों का रंग पीला पड़ना, शरीर और मूत्र का रंग हल्का पीला होने जैसी जांडिस की लक्षणों से ग्रसित हैं।

एथलेटिक्स ट्रायल के लिए असम के छह खिलाड़ी कर्नाटक रवाना

गुवाहाटी (हिंस)। देश के अग्रणी कॉरपोरेट समूह जेएसडब्ल्यू ग्रुप द्वारा आयोजित द्वितीय चरण के ट्रायल्स में भाग लेने के लिए असम के 6 जूनियर एथलीट हवाई मार्ग से गुरुवार को रवाना हुए। यह ओपन ट्रायल्स कर्नाटक के विजयनगर स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्पोर्ट्स में 8 दिनों तक चलेंगे। इन ट्रायलों में भाग लेने के लिए आमंत्रित असम के खिलाड़ियों में जुबिन गोहाईं, मोहन बोड़ो, मेघाली बुढ़गोहाईं, धृतिमा उजिर, अभिलाषा दत्ता और धृतिमा डेका शामिल हैं। इनके साथ कोच नवजीत मलाकार भी रवाना हुए हैं। राज्य के खेल और युवा कल्याण विभाग के निदेशक प्रदीप तुमुंग ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसमें चयनित होने पर खिलाड़ियों को शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति मिलती है। उल्लेखनीय है कि इस प्रतिष्ठित संस्थान में असम की शीर्ष तैराक आस्था चौधुरी और विक्रम चांगमाई जैसे खिलाड़ी पहले से ही प्रशिक्षण ले रहे हैं।

भारतीय रेल अब राष्ट्रीय एकता और समावेशी विकास की प्रेरक शक्ति : राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की उपस्थिति में गुरुवार को नगांव जिले के हैबरगांव रेलवे स्टेशन के पुनर्विकसित परिसर का उद्घाटन किया। यह स्टेशन *अमृत भारत स्टेशन योजना* के तहत नव-निर्मित किया गया है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देशभर के 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 103 स्टेशनों का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि यह न सिर्फ एक उद्घाटन है, बल्कि असम के लोगों की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतीक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता के कारण हैबरगांव स्टेशन इस योजना में शामिल हो सका। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय रेल अब केवल परिवहन सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, क्षेत्रीय समेकन और समावेशी विकास की एक सशक्त प्रेरक शक्ति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि हैबरगांव स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं और असमिया विरासत के साथ पुन:निर्मित किया गया है। स्टेशन पर गमछा, बिहू नृत्य और अहोम स्थापत्य जैसी सांस्कृतिक झलकें दिखाई देंगी, जो *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* की भावना

को दर्शाती हैं। राज्यपाल ने कहा कि इस पुनर्विकास से न सिर्फ यात्री सुविधाओं में वृद्धि होगी, बल्कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, लाउखोवा अभयारण्य और बटद्रवा थान जैसे पर्यटन स्थलों की ओर पर्यटकों की आवाजाही भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि अमृत भारत योजना के अंतर्गत असम के 50 अन्य स्टेशनों का भी कायाकल्प किया जाएगा। ग्रीन इंडिया और स्वच्छ भारत मिशनों के अनुरूप हैबरगांव स्टेशन को पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों से सुसज्जित किया गया है। इसमें सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और हरित निर्माण मानकों को अपनाया गया है। पूर्वोत्तर में बीते दशक के परिवर्तन का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि *एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट, एक्ट फर्स्ट* की प्रधानमंत्री की नीति के कारण क्षेत्र में रेलवे, हवाई और सड़क संपर्क में क्रांतिकारी सुधार आया है। उन्होंने विश्वास जताया कि इंडियाएट 2047 के संकल्प की ओर बढ़ते भारत में असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र देश के सबसे जीवंत और समृद्ध हिस्सों में शुमार होंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि स्टेशन की सफाई, सौंदर्य और गरिमा बनाए रखने में सहभागी बनें। उद्घाटन समारोह में विदेश राज्यमंत्री पबित्र मार्घेरिटा, असम सरकार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केशब महंत, विधायक रूपक शर्मा, जीतू गोस्वामी, शशिकांत दास, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव, लामडिंग मंडल के डीआरएम समीर लोहानी समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लायंस आई हॉस्पिटल में नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन का आयोजन

गुवाहाटी। श्री शांतिनाथ भगवान के जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक के पूर्व स्थानीय छत्रीबाड़ी स्थित लायंस ऑई हॉस्पिटल में आज गुरुवार को श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय (आठगांव) के तत्वाधान में निन्शुल्क मोतियाबिंद जांच एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। नि:शुल्क शिविर सुबह 11:00 बजे से 2:00 तक चला। लायंस आई हॉस्पिटल के डॉक्टरो ने गुवाहाटी एवं आसपास के क्षेत्र से आए कुल 100 मरीजों की जांच की इनमें से 25 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। इन सभी मरीजों की सर्जरी लायन आई हॉस्पिटल में नि:शुल्क कराई गई। साथ ही सभी मरीजों को नि:शुल्क चश्मा भी प्रदान किया गया। व दवाईया भी

उपलब्ध कराई गई। इस शिविर को सफल बनाने में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय (आठगांव) के सभी सदस्यों का सरहानीय सहयोग रहा। शैलेश गंगवाल ने सभी लोगों को उनके सर्वांगीण सहयोग और समन्वय के लिए धन्यवाद दिया। जिसके कारण यह शिविर बहुत ही सफलतापूर्वक सफल हुआ। मालूम हो कि श्री शांतिनाथ भगवान का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव आगामी 26 मई को आठगांव चैत्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी आठगांव चैत्यालय व्यवस्थापक समिति द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई है।

बीटीसी चुनाव को लेकर कोकराझाड़ में आयोजित बैठक में मंत्री अशोक सिंघल ने लिया भाग

कोकराझाड़ (विभास)। बीटीसी चुनाव को लेकर कोकराझाड़ भाजपा कार्यालय में आयोजित सभा में मंत्री अशोक सिंघल ने भाग लिया। सभा में बीटीसी के कार्यकारी सदस्य अरुप कुमार दे, सजल सिंह, एमसीएलए राजीव ब्रह्म सहित भाजपा के जिला और मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस सभा में बीटीसी चुनाव को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। इस सभा के बाद पत्रकारों के साथ हुए एक इंटरव्यू में मंत्री अशोक सिंघल नें कहा कि आज भाजपा के कोकराझाड़ जिला, मंडल कार्यकर्ताओ के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए, जहां उन्होंने सांगठनक स्थिति कैसे मजबूत करें इसको लेकर चर्चा किए। साथ ही उनहोंने आम लोगों की उम्मीदों पर खड़ा उतरने की बात की। उनहोंने आगे कहा कि भाजपा सरकार इस विषय पर विस्तार से काम कर रही है। इसके अलावा उन्होंने गठबंधन को लेकर राज्य स्तरीय अध्यक्षों व मुख्यमंत्री पर छोड़ रखे हैं।

तेमम का मातृत्व कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तथा तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी व प्रेक्षा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में प्रेक्षा कल्याण वर्ष के अंतर्गत तेरापंथ धर्म स्थल में मातृत्व कार्यशाला का आयोजन किया गया। नमस्कार महामंत्र व प्रेक्षा गीत के संगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष अमराव बोथरा ने सभी बहनों का स्वागत अभिनंदन किया। मुख्य वक्ता के रूप में संगीता बैद ने मातृत्व के विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हर स्त्री के लिए मातृत्व ईश्वर का दिया हुआ सबसे सुंदर वरदान है, जिस तरह के संस्कारों का बीजारोपण गर्भावस्था में होता है उसी के अनुरूप संतान का जन्म होता है। अर्थात गर्भावस्था के दौरान हर मां को विशेष रूप से अपनी फिजिकल व मेंटल हेल्थ का ध्यान रखना चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर के आईएएस कोचिंग प्रशिक्षक अजमल आईएएस एकेडमी से जुड़े

होजाई (निसं)। होजाई स्थित अजमल आई ए एस एकेडमी में आईएएस व एपीएससी परीक्षाओं हेतु विशेष तैयारियों के साथ नए सत्र का शुभारंभ अजमल फाउन्डेशन के निर्देशक डॉ. खसरुल इस्लाम ने अजमल फाउन्डेशन के कार्यालय में बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए कहा कि हमारे ट्रस्टी मौलाना बदरुद्दीन अजमल व सिराजुद्दीन अजमल ने देश की उन्नति हेतू ऐसे सपने देखते हैं जिससे देश आगे बढ़ता रहे। उनके मार्गदर्शन में असम व पूर्वोतर के मेधावी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए अजमल आईएएस एकेडमी की स्थापना सन् 2022 में की गई। सन् 2022 से अबतक एपीएस सी व विभिन्न प्रतियोगिता मूलक परीक्षा में उतृण होकर लगभग एकसौ से ज्यादा मेधावी छात्र-छात्राओ ने विभिन्न सरकारी के पदो पर अपनी सेवाये दे रहे हैं। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए व अजमल परिवार के सपने को साकार करने के उद्देश्य से अजमल आईएएस एकेडमी में विशेष तैयारियों के साथ आईएएस व एपीएससी बेच का शुभ आरंभ किया गया। उत्त आईएएस एकेडमी में सीवील सर्विस प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय स्तर के आईएएस कोचिंग प्रशिक्षक जिसमें प्रो. राहुल स्वरूप व प्रो. कमरुल

हक खान जिन्हें इस क्षेत्र में लगभग 25 वर्षो का अनुभव प्राप्त है उन्हें इस एकेडमी से जोड़ा गया है, प्रो. राहुल स्वरूप को प्रोग्राम डाईरेक्टर (निर्देशक), व प्रो कमरुल हक खान को मुख्य सलाहाकार का दायित्व सौंपा गया है। डॉ. इस्लाम ने कहा कि इन दो अनुभवी प्रोफेसर के इस एकेडमी से जुड़ते ही पूर्वोतर के युवक-युवतियां का आईएएस बनने का सपना साकार होगा। पहले आईएएस कोचिंग हेतु छात्रों को बाहरी राज्य में जाना पड़ता था जो हर छात्रों के लिए यह संभव नहीं होता था और उनके आईएएस बनने का सपना अधुरा रह जाता था पर अब अजमल परिवार ने उनके सपने को साकार करने हेतू होजाई में इसकी स्थापना कर अनुभवी प्रशिक्षको से उन्हें तैयारियां करवाकर उनके सपने को साकार करेगी। संवाददाता सम्मेलन में प्रो. राहुल स्वरूप ने कहा कि अब दिल्ली स्तरीय सिविल सर्विस प्रशिक्षण अजमल आईएएस एकेडमी में दी जायेगी। पूर्वोतर के छात्रों को उनके सपने साकार करने में अनुभवी प्रशिक्षक उन्हें प्रशिक्षण देगें। प्रो. राहुल स्वरूप ने आईएएस की तैयारियों के संदर्भ में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। प्रो कमरुल हक खान ने कहा कि मुझे अजमल आईएएस अकादमी में सेवा देने का मौका मिला, यह मेरे लिए गर्व की बात है। अजमल परिवार का सपना है कि पूर्वोतर के छात्र भी ज्यादा से ज्यादा भारतीय प्रशाशनिक सेवा में सफल होकर देश को अपनी सेवा दे। उन्होंने कहा कि हम यहां के छात्रों को बेहतर से बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें आईएएस तैयारियों करवाएंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस एकेडमी से जल्द ही अच्छे परिणाम सामने आयेगे, ऐसा सिर्फ में हवा में नहीं कह रहा हूं मुझे इस क्षेत्र से जुडे होने को 25 वर्षो के अनुभव के आधार पर कह रहा है। इन दो ख्याति प्राप्त प्रोफेसर के अजमल आईएएस एकेडमी से जुड़ते ही (एकेडमी को बल मिला है और एकेडमी में प्रशिक्षण का स्तर और बेहतर होगा जिससे छात्र- छाताओ का मनोवल बढ़ेगा। इसी के तहत नए विशेष एडवांस बेच, फाउन्डेशन बेच, वीए इंटीग्रेटेड बेच, मेन क्रास बेच, आसाम एक्शालूशिम बेच आदि कई विशेष प्रचेष्टा हाथ में ली गई है। आगामी 15 जून 2025 को एडवांस बेच परीक्ष आयोजित होगी और 2 जुलाई 2025 से पाठदान प्रारंभ होगा। मेन कासवेच 23 जून और 17 जुलाई, फाउन्डेशन वेच 16 जुलाई व 6 अगस्त से प्रारंभ होगा। ज्यादा जानकारी हेतू अजमल आईएएस (एकेडमी से संपर्क किया जा सकता है। संवाददाता सम्मेलन में अजमल फाउन्डेशन के जेनेरल मनेजर एम आर एच आजाद भी उपस्थित थे।

O.O.No. 04

WALK-IN-INTERVIEW
FOR ENGAGEMENT OF WDT MEMBER ON CONTRACTUAL BASIS

Applications are invited in a standard form of application for engagement on contractual basis for the following post under Watershed Development Component of Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana 2.0 (WDC-PMKSY 2.0)-Darrang-1 (Chikanmati).

Sl. No.	Name of Post	No. of Post	Age Limit	Qualification	Experience	Remuneration Per Month (in Rs.)
1	WDT Member (Techni-cal)	01 (One) No.	25-40 Years as on 01-01-2025	1. Technical Diploma Holder (Civil/ Agriculture) 2. Technical Graduate Civil/ Agriculture) 3.Master Degree Holder in Social Sciences	Minimum 3 (Three) years of experience in relevant field with working knowledge of computer. Candidates working in similar capacity in Govt./Semi Govt. Office/Department/ Organization or PSUs will be given preference.	1. Technical Diploma Holder- Rs. 20,000/- p/m 2. Technical Graduate - Rs. 25,000/- p/m. 3. Master Degree Holder Rs. 25,000/- p/m.

Venue : Office of the Divisional Officer, Darrang Soil Conservation Division, No. 1 Gerimari, Mangaldai, Assam.
Date : 29th May 2025 (Thursday).
Reporting Time : 11.00 AM

Terms & Condition

1. Interested candidates may appear before the Selection Committee with all original Documents, all relevant testimonials (Self attested copy of Age Proof Certificate, Pass Certificate, Mark Sheets, Experience Certificate, two copies of recent Passport size photographs etc.) including one filled up Standard Form of Application should be submitted on the date of Interview.
2. Selected candidate in the interview will be informed through e-mail/ Contact number. Also, a copy will be hanged in the office Notice Board.
3. No TA/DA shall be paid to the candidates for attending the interview.
4. At any stage of recruitment, if it is found that the candidate does not fulfil the eligibility criteria and or that he/she has furnished incorrect/false information / certificate / documents his/her candidature appointment will stand cancelled and necessary legal action will be initiated.
5. The decision of the selection committee in any matter related to the recruitment at any stage of the recruitment process will be final and binding upon the candidates.
6. The selection committee may prepare waiting list of suitable candidates which would remain valid for 6 months from the date of declaration of result.
7. The engagement is purely contractual and coterminous with the end of programme with no provision of regularization.
8. Initially the engagement will be made for 11(Eleven) months which may be extended subject to the satisfactory performance.
9. The candidates selected for engagement shall have to sign an Agreement with the Project Manager, WDC-PMKSY 2.0, Darrang & Divisional Officer Darrang Soil Conservation Division, Mangaldai.

Project Manager
WDC-PMKSY 2.0, Darrang-1
cum
i/c Divisional Officer
Darrang Soil Conservation Division
Mangaldai

-- DIPR /D/VBS-19/23-May-25

संपादकीय

आतंक के खिलाफ कैसी लड़ाई

इजरायल ने गाजा पट्टी में नरक से बदतर हालात बना रखे हैं। वह गाजा में हमास के आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लडऩे का दावा करता रहा है। गाजा के लोग घुन की तरह पिस रहे हैं। इजरायल के हवाई हमलों में 54,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, गाजा के 9.3 लाख बच्चे (करीब 93 फीसदी) भुखमरी की गिरफ्त में हैं। अब तक 57 बच्चे कुपोषण के कारण जिंदगी गंवा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक उच्च अधिकारी का आकलन है कि यदि मानवीय सहायता यथाशीघ्र नहीं पहुंची, तो करीब 14000 नवजात शिशु कभी भी दम तोड़ सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि उसके पास करीब 500 बच्चों के इलाज के लायक ही सामग्री बची है। गाजा में खाद्य पदार्थों और ईंधन आदि रसद पर भी इजरायल की नाकेबंदी है। इजरायल गाजा पर कब्जा करना चाहता है, लेकिन आवरण आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का है। अब अमरीका ने भी इजरायल को धमकी देना शुरू कर दिया है और ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, कुछ यूरोपीय देशों ने बयान जारी कर इजरायल की आतंकी लड़ाई को खारिज किया है और चेतावनी दी है कि यदि गाजा की 21 लाख आबादी के लिए पर्याप्त खाद्य और ईंधन की आपूर्ति तय नहीं की गई, तो उसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन माना जाएगा। इजरायल के पूर्व जनरल एवं विपक्षी नेता यायर गोलान प्रधानमंत्री नेतन्याहू की ऐसी युद्ध-नीति के घोर आलोचक हैं। उनका मानना है कि कोई भी सभ्य देश बच्चों की हत्या का शौक नहीं पालता। लोगों को विस्थापित करने के लक्ष्य नहीं बनाता। यह आतंकवाद के नहीं, मानवता के खिलाफ युद्ध है। बहरहाल गाजा पट्टी में इजरायल की नाकेबंदी के कारण आटा 5000 फीसदी और तेल 1200 फीसदी तक महंगे बिक रहे हैं। खीरे की कीमत 7 गुना बढ़ गई है। बेबी फूड 4 गुना से अधिक महंगा हो चुका है और मटर अब करीब 1000 फीसदी महंगा हो गया है। रसोई गैस के दाम 2400 फीसदी बढ़ जाने से खाना बनाना असंभव-सा हो गया है। अब भूख हर गली में लूट को जन्म दे रही है। संयुक्त राष्ट्र के सहायता-समूह का मुख्यालय और गोदाम भी लूट की चपेट में आ गए हैं। ये उन बाजारों और इलाकों के आंकड़े हैं, जो इजरायल के हमलों से बचे हैं, लेकिन वे भी खाली हो रहे हैं। वहां एक लीटर पानी 2000 रुपए में बेचा जा रहा है और एक अंडे की कीमत औसतन 300 रुपए है। यह विश्व का कौनसा भूखंड है, जहां कोई कायदा-कानून नहीं है। कोई वैश्विक नियंत्रण नहीं है। इन हालात के बावजूद गाजा में अमरीका भी विकास-योजना के बयान देता रहा है। वह गाजा का पुनर्निर्माण करवाना चाहता है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप न तो गाजा में, अपने मित्र, इजरायल को महाविनाश से रोक पाए हैं और न ही रूस-यूक्रेन के बीच शांति-समझौता कराने में सफल रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच, फोन पर, दो घंटे से ज्यादा की बातचीत हुई है, लेकिन पुतिन 30 दिन के प्रस्तावित युद्धविराम के बजाय स्थायी शांति-समझौते के पक्षधर हैं। हालांकि रूस-यूक्रेन का युद्ध क्षेत्रीय वर्चस्व और कब्जे का युद्ध है। गाजा में इजरायल हमास का आतंकवाद मिट्टी में मिला देना चाहता है, लेकिन हमास आज भी जिंदा है। हालांकि 7 अक्तूबर, 2023 को इजरायल पर हमास के आतंकी हमले के बाद से अघोषित युद्ध जारी है, लेकिन गाजा पट्टी अब लगभग खंडहर हो चुका है। हमास का अस्तित्व अब भी है, क्योंकि कुछ हमले उसकी ओर से भी किए जाते रहे हैं। अल्प युद्धविराम के बाद इजरायल ताबड़तोड़ हवाई हमले कर रहा है, नतीजतन मानवता लगातार लाश बनती जा रही है।

इजरायल के हवाई हमलों में 54,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, गाजा के 9.3 लाख बच्चे (करीब 93 फीसदी) भुखमरी की गिरफ्त में हैं। अब तक 57 बच्चे कुपोषण के कारण जिंदगी गंवा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक उच्च अधिकारी का आकलन है कि यदि मानवीय सहायता यथाशीघ्र नहीं पहुंची, तो करीब 14000 नवजात शिशु कभी भी दम तोड़ सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि उसके पास करीब 500 बच्चों के इलाज के लायक ही सामग्री बची है। गाजा में खाद्य पदार्थों और ईंधन आदि रसद पर भी इजरायल की नाकेबंदी है। अब अमरीका ने भी इजरायल को धमकी देना शुरू कर दिया है और ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, कुछ यूरोपीय देशों ने बयान जारी कर इजरायल की आतंकी लड़ाई को खारिज किया है और चेतावनी दी है कि यदि गाजा की 21 लाख आबादी के लिए पर्याप्त खाद्य और ईंधन की आपूर्ति तय नहीं की गई, तो उसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन माना जाएगा।

गंगा को भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक माना जाता रहा है

आखिर क्यों घट रही है गंगा डॉल्फिन की आबादी ?

सुनील कुमार महला

मनुष्य तो मनुष्य पशु-पक्षियों और जलीय जीवों को पर्यावरण प्रदूषण से बहुत नुकसान पहुंच रहा है, लेकिन इनका कोई धणी-धोरी नजर नहीं आता। यह बहुत ही दुखद है कि आज हमारे देश में पर्यावरण प्रदूषण से जीव-जंतुओं की जान पर बन आई है।जल में होने वाले रासायनिक प्रदूषण से आज जलीय जीवों की अनेक प्रजातियां ख़तरे में हैं।जल में पालीथीन युक्त कचरा भी जलीय जीवों के लिए एक प्रमुख खतरा बनकर उभरा है। पाठकों को बताता चलूं कि आज इंसानी दरियादिली के लिए दुनियाभर में मशहूर गंगा नदी डॉल्फिन लगातार खतरे में है।जल में रासायनिक तत्वों की अधिकता के साथ ही यह(गंगा नदी डॉल्फिन कई बार मछली पकड़ने वालों के जाल में उलझ जाती हैं, और इन्हीं चीजों ने इन्हें खतरे में डाल दिया है। उल्लेखनीय है कि गंगा और गंगे डॉल्फिन का गहरा रिश्ता है।

पर्यावरण प्रदूषण की समस्या आज भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व की एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। मनुष्य तो मनुष्य पशु-पक्षियों और जलीय जीवों को पर्यावरण प्रदूषण से बहुत नुक्सान पहुंच रहा है, लेकिन इनका कोई धणी-धोरी नजर नहीं आता। यह बहुत ही दुखद है कि आज हमारे देश में पर्यावरण प्रदूषण से जीव-जंतुओं की जान पर बन आई है।जल में होने वाले रासायनिक प्रदूषण से आज जलीय जीवों की अनेक प्रजातियां ख़तरे में हैं।जल में पालीथीन युक्त कचरा भी जलीय जीवों के लिए एक प्रमुख खतरा बनकर उभरा है। पाठकों को बताता चलूं कि आज इंसानी दरियादिली के लिए दुनियाभर में मशहूर गंगा नदी डॉल्फिन लगातार खतरे में है।जल में रासायनिक तत्वों की अधिकता के साथ ही यह(गंगा नदी डॉल्फिन कई बार मछली पकड़ने वालों के जाल में उलझ जाती हैं, और इन्हीं चीजों ने इन्हें खतरे में डाल दिया है। उल्लेखनीय है कि गंगा और गंगे डॉल्फिन का गहरा रिश्ता है। गंगा को भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक माना जाता रहा है, लेकिन देश में राष्ट्रीय जलीय जीव के रूप में जानी जाने वाली गंगे डॉल्फिन(गंगेटिक डॉल्फिन) अब गंगा की कम होती निर्मलता-स्वच्छता की ही तरह खत्म हो रही है। पाठकों को बताता चलूं कि आज से चार-पांच साल पहले एक टीवी चैनल के हवाले से यह खबरें आईं थीं कि गंगा में सिर्फ 3500 गंगे डॉल्फिन ही बचीं हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अंतिम गणना में उत्तर प्रदेश व असम की नदियों में इनकी संख्या क्रमशः 1,275 व 962 पाई गई थी।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार गंगा डॉल्फिन की गणना असम सरकार ने 2018 में जनवरी से मार्च माह के बीच की थी। वहीं, उत्तर प्रदेश में 2015 में इनकी संख्या 1,272 थी, जबकि 2012 में इनकी गणना 671 की गई थी।एक अन्य उपलब्ध जानकारी के अनुसार असम में गंगा डॉल्फिन की गणना तीन नदियों में की गई थी तथा ब्रह्मपुत्र नद में इनकी संख्या 877 पाई गई थी। वहीं, राज्य में इनकी कुल संख्या 962 थी। इसके संरक्षण के लिए असम सरकार ने भी इसे राज्य जलीय जीव घोषित किया है। राज्य में इनकी आबादी को कम होने से बचाने के लिए नदियों से सिल्टिंग और रेत उठाने से रोक लगाई गई। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने गंगा डॉल्फिन को भारत में एक लुप्तप्राय प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया है। यह हालात तब हैं, जब देश में नमामि गंगे अभियान (वर्ष 2014 में) और जल जीवन मिशन के तहत पहाड़ से लेकर मैदान तक गंगा को साफ करने का काम तेज गति से चलाया गया। पाठकों को बताता चलूं कि कुछ साल पहले वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों ने यह चिंताएं जताईं थी कि गंगा में पाई जाने वाली डॉल्फिन का अस्तित्व गंगा से जुड़ा हुआ है और अगर गंगा दूषित होती रही, तो डॉल्फिन भी विलुप्त हो जाएगी। तीव्र औधोगिकीकरण, शहरीकरण, तेज विकास गतिविधियों, मानवीय गतिविधियों के कारण जैसे-जैसे गंगा मैली होती जा रही है, उससे न सिर्फ

डॉल्फिन बल्कि गंगा का अस्तित्व भी खतरे में है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि डॉल्फिन के अलावा गंगा में पाए जाने वाले कछुए और घड़ियाल जैसे कई जलीय जीव भी अब खतरे की जद में आ गए हैं। गौरतलब यह भी है कि भारत में डॉल्फिन गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी में पाई जाती है और यह मीठे पानी का जीव है।गंगा डॉल्फिन भोजन के माध्यम से रसायनों के खतरनाक मिश्रण के संपर्क में आ रही है । इस संदर्भ में एक्सपर्ट्स यह कहना है कि डॉल्फिन जिन छोटी मछलियों को अपने खाने के रूप में लेती है, उनमें 39 किस्म के खतरनाक केमिकल्स मौजूद हैं। दरअसल, हेलियन में प्रकाशित भारतीय वन्यजीव संस्था के सर्वे में दावा किया गया है कि मीठे पानी में रहने वाले जलीय जीवों के फूड से खतरनाक किस्म के केमिकल्स का पता चला है। गौरतलब है कि हेलियन मैगज़ीन में प्रकाशित रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि गंगा में रहने वाली गंगा डाल्फिन की आबादी 1957 से 2025 में यानी मात्र 68 सालों में आधी हो गई है, जो कि एक बहुत बड़े खतरे का संकेत है।अगर यही स्थितियां रहीं तो शायद आने वाली पीढ़ियां गंगा डाल्फिन का दीदार ही न कर पाएं और यह कहीं किताबों का हिस्सा बनकर ही न रह जाएं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि दुनियाभर में डॉल्फिन की केवल पांच प्रजातियां ही बची हैं और वे भी गंभीर खतरों का सामना कर रहीं हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हमारे देश में खेती में अंधाधुंध रूप से विभिन्न कीटनाशकों, उर्वरकों और रासायनों का प्रयोग किया जाता है ताकि उत्पादन अच्छा हो सके, लेकिन यह कहीं न कहीं जलीय जीवों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत ही घातक सिद्ध हो रहा है। विभिन्न अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्ट ,नदियों में घरेलू अपशिष्टों का बेरोकटोक बहाव, लगातार बढ़ता प्रदूषण ,प्लास्टिक प्रदूषण , विभिन्न भारी धातुओं के प्रदूषण के कारण डॉल्फिन की सेहत और प्रजनन क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, अवैध खनन और नदियों में तेज वाइब्रेशन पैदा करने वाले जहाजों के कारण, तथा विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण से भी डॉल्फिन को नुकसान पहुंचता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार नदियों में लगातार जलस्तर में कमी ,अवैध फिशिंग(शिकार), बांधों का निर्माण और जलवायु परिवर्तन भी कहीं न कहीं प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से डॉल्फिन अस्तित्व के लिए बड़ी व गंभीर मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। डॉल्फिन जलीय इकोसिस्टम के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण जलीय जीव है। यदि हम यहां पर गंगा डॉल्फिन की खासियतों के बारे में बात करें तो गंगा डॉल्फिन एक नेत्रहीन(जैसा कि इसकी आंखों में लैंस नहीं होता है) जलीय जीव है, जिसके सूंघने की शक्ति अत्यंत तीव्र होती है। इसका वैज्ञानिक नाम प्लैटनिस्टा गैंगेटिका है।गंगा डॉल्फिन विश्व भर की नदियों में पाई जाने वाली डॉल्फिन की पाँच प्रजातियों में से एक है। इस प्रकार की डॉल्फिन मुख्य तौर पर भारतीय उपमहाद्वीप खासतौर पर गंगा-ब्रह्मपुत्र-सिंधु-मेघना और कर्णाफुली-सांगू नदी तंत्र में पाई जाती हैं। ये अल्ट्रासोनिक ध्वनियाँ उत्सर्जित करके शिकार करतीं हैं, जो मछलियों और अन्य शिकार से टकराती हैं, जिससे उन्हें एक छवि 'देखने' में मदद मिलती है। गौरतलब है कि यह इकोलोकेशन (प्रतिध्वनि निर्धारण) और सूंघने की अपार क्षमताओं से अपना शिकार और भोजन तलाशती है। यह मांसाहारी प्राचीन जलीय जीव जो करीब 10 करोड़ साल से भारत में मौजूद है। विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार मादा की औसत लम्बाई नर डोल्फिन से अधिक होती है। एक वयस्क गंगा डॉल्फिन का वजन 70 किलोग्राम से 90 किलोग्राम के बीच हो सकता है।इसकी औसत आयु 28 वर्ष रिकार्ड की गयी है। भारत में ये असम, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में पाई जाती है। पाठकों को बताता चलूं कि 'सन ऑफ़ रिवर' कहने वाले डोल्फिन के संरक्षण के लिए सम्राट अशोक ने कई सदी पूर्व कदम उठाये थे। इतना ही नहीं, केंद्र सरकार ने 1972 के भारतीय वन्य जीव संरक्षण कानून के दायरे में भी गंगा डोल्फिन को शामिल किया था तथा 1996 में ही इंटर्नेशनल यूनियन ऑफ़ कंजर्वेशन ऑफ़ नेचर भी डॉल्फिन को विलुप्त प्राय जीव घोषित कर चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इसकी प्रजाति पर खतरे का एक बड़ा कारण इसका शिकार किया जाना है। दरअसल, इसका शिकार मुख्यतः तेल के लिए किया जाता है, जिसे अन्य मछलियों को पकड़ने के लिए चारे के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह एक स्तनपायी जीव है और इसलिए पानी में सांस नहीं ले सकता है, इसलिए इसे हर 30-120 सेकंड में पानी की सतह पर आना पड़ता है। बिहार व उत्तर प्रदेश में इसे 'सोंस', जबकि असमी भाषा में इसे 'शिहू' के नाम से जाना जाता है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि ऐसा नहीं है कि सरकार ने इनके संरक्षण के लिए कोई कदम नहीं उठाए हैं। सच तो यह है कि इसकी घटती आबादी को लेकर सरकार ने न सिर्फ चिंता जताई है बल्कि इसको ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण और ठोस कदम भी उठाए हैं। भारत सरकार ने डॉल्फिनों के संरक्षण के लिए 5 अक्टूबर 2009 में इस जलीय जीव को राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया। इतना ही नहीं, हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2020 में डॉल्फिन संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट डॉल्फिन भी लांच किया, जिसका उद्देश्य मीठे पानी और गंगा डॉल्फिन दोनों के संरक्षण के साथ साथ इनके प्राकृतिक आवास को भी संरक्षित करना था।

देश दुनीया से

भारत की जल कूटनीति से पाकिस्तान लाचार

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का निर्णय अब पाकिस्तान पर भारी पड़ने लगा है। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सीज़फायर के निर्णय के बाद सैन्य अभियानों पर अस्थायी विराम लगा है, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पश्चात भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ उठाए गए कई निर्णय और प्रतिबंध यथावत् लागू हैं। इन निर्णयों में सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, पाकिस्तान को निर्यात पर रोक, वीज़ा प्रतिबंध तथा राजनयिक संबंधों में कटौती जैसे कदम शामिल हैं। दरअसल, सीज़फायर के बावजूद पाकिस्तान की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सबसे बड़ी चुनौती सिंधु जल समझौते के स्थगन को लेकर है, क्योंकि अब भारत इन नदियों के जल प्रवाह को अपनी इच्छानुसार नियंत्रित कर सकता है — चाहे तो जल रोके या छोड़े। यह एक निर्विवाद सत्य है कि सिंधु जल समझौते के अंतर्गत सिंधु बेसिन की तीन प्रमुख नदियां— झेलम, चिनाब और सिंधु— का लगभग 80 प्रतिशत जल पाकिस्तान को मिलता था, जबकि भारत को केवल 19.5 प्रतिशत जल प्राप्त होता था। उल्लेखनीय है कि भारत अपने हिस्से के जल का भी लगभग 90 प्रतिशत ही उपयोग करता था। लेकिन सिंधु जल समझौते के स्थगन के बाद भारत ने अपने हिस्से के जल को पूरी तरह रोकना शुरू कर दिया। इसके साथ ही, जब भारत के बांधों में जल स्तर बढ़ता है, तो वह बिना किसी पूर्व सूचना के अतिरिक्त जल छोड़ देता है। पाकिस्तान की कृषि, पेयजल आपूर्ति और उसकी अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा सिंधु बेसिन से बहने वाली नदियों पर निर्भर है। सिंधु बेसिन की छह प्रमुख नदियां पाकिस्तान में प्रवेश करती हैं— जिनमें तीन पूर्वी प्रवाह वाली नदियां हैं सतलुज, ब्यास और रावी और तीन पश्चिमी प्रवाह वाली नदियां हैं झेलम, चिनाब और सिंधु। इनमें से पश्चिमी प्रवाह वाली नदियों— झेलम, चिनाब और सिंधु— का अधिकांश जल पहले पाकिस्तान को मिलता था। लेकिन सिंधु जल समझौते के स्थगन के बाद भारत अब इन नदियों के जल को रोक रहा है।

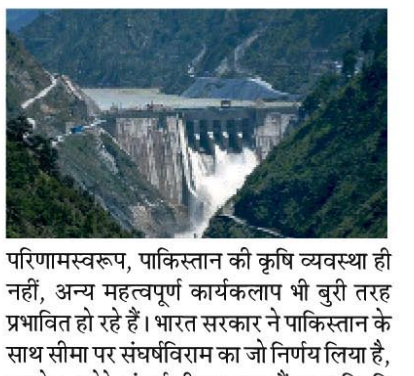

परिणामस्वरूप, पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था ही नहीं, अन्य महत्वपूर्ण कार्यकलाप भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सीमा पर संघर्षविराम का जो निर्णय लिया है, उसके बहुतेरे अंतर्राष्ट्रीय कारण हैं। यह स्थिति चूंकि पाकिस्तान द्वारा लाई गयी थी, इसलिए इस मसले पर पाकिस्तान के पीछे हटने पर भारत को सीजफायर मानना पड़ा। अब भारत, सिंधु जल समझौते को स्थगित करने से मिली अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठायेगा जो स्वाभाविक है। वहीं भारत, स्पष्ट कर चुका है कि आपरेशन सिंदूर केवल स्थगित किया गया है, खत्म नहीं। प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता। फिलहाल भारत सरकार सिंधु जल समझौता बहाल करने को तैयार नहीं है। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने इस मुद्दे को विश्व बैंक ले जाने का प्रयास किया था लेकिन वहां पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। विश्व बैंक ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मसले में एक मध्यस्थ की भूमिका में था। इसके आगे विश्व बैंक की कोई भूमिका नहीं है। पाकिस्तान अब इस मसले को संयुक्त राष्ट्र ले जाने की तैयारी में लगा है। भारत स्पष्ट कर चुका है कि उसने समझौते के प्रारूप के तहत ही समझौते के स्थगन का कदम उठाया है। पाकिस्तान का इस संदर्भ में कहना है कि अगर सिंधु जल समझौते को भारत द्वारा खत्म किया जाता है और उसकी तरफ आने वाले पानी को रोका जाता है तो वह इसे युद्ध मानेगा। अपनी ओर से इसका हरसंभव विरोध करेगा। एक ओर पाकिस्तान इस मुद्दे का पुरजोर विरोध करने की बात कर रहा है, वहीं वह भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय से समझौते के स्थगन के फैसले पर पुनर्विचार करने की गुहार भी लगा रहा है। यही नहीं, भारत से सीधे बातचीत के लिए भी तैयार है। पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सैयद अली मुर्तजा ने इस बाबत संकेत भी दिये हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी दिल्ली की दीर्घकालीन चिंताओं पर चर्चा करने के इच्छुक हैं। पाकिस्तान के अनुरोध पत्र को भारतीय जलशक्ति मंत्रालय ने इस समझौते के लिए अधिकृत विदेश मंत्रालय को भेजा है जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कह दिया है कि इस मुद्दे पर पुनर्विचार का सवाल ही नहीं उठता।

कुछ अलग

हाशिए के बाहर छूटे लोग

वक्त बदल रहा है। जीवन में सच का महत्व कम और झूठ का महत्व अधिक होता जा रहा है। सफल वही है, जिसके व्यवहार में स्वाभाविकता कम और नाटकीयता अधिक हो। आदर्श, नैतिकता और मानवीय मूल्य ज्यों-ज्यों दैनिक व्यवहार से लुप्त होते जा रहे हैं, त्यों-त्यों उनकी श्लाघा बघारने वाले अधिक होते जा रहे हैं। अच्छा अभिनेता वह जिसे पर्दा स्क्रीन पर अपना किरदार निभाना आए या न, लेकिन पूरा दिन वह महसूस करे कि घर के बाहर बस यूं ही चलते हुए भी जैसे कैमरे की आंख उस पर लगी है। समय का निदेशक चिल्लाता है, 'स्टार्ट' तो वह चल देता है, और वह इशारा करे 'कट' तो मौन पसर जाता है। तब उसका जिंदगी में नेता, अभिनेता, समाज सुधारक अथवा धर्म प्रचारक बनने का अभिनय रुक जाता है। लेकिन समय का निदेशक संभवतः 'कट' कहना भूल जाता है, इसलिए नेता की नेतागिरी, अभिनेता का थोथा सुपरहीरो अभिनय, समाज सुधारक के लंबे प्रवचन, और धर्म प्रचारक की फालतू पोंगापंथी कभी रुकती नहीं। बनावट के इस परिवेश में जीते जी नेतागिरी से जनसेवा के स्थान पर स्वजन सेवा, अभिनय के स्थान पर केवल नकली हीरो का प्रपंच, भाषणों से लिपापुता समाज और भी रसातल को चला जाता है, और धर्म प्रचार में जातीयता तथा असहिष्णुता के कीटाणु पनप नया सच बन जाते हैं। वैसे अपनी सीमा तो यह है कि देश का रुतबा भुखमरी के सूचकांक में कुछ और नीचे उतर गया है। धन्ना सेठ खैरात संस्कृति को समाधान मान, भूखों में मुफ्त रोटी बांट अपनी सात पुश्तों के तरने की कल्पना करने लगते हैं और उधर काम के बिना भूख से तड़पता हुआ देश का भविष्य उसी अंधेरे में डूबा रहता है, जिसमें उसे सदियों से सिसकने की आदत हो गई है। अपने देश की संस्कृति की महानता बघारने की आदत हमें है, और कलाकार अपनी नुमायशें खुद लगाकर अपनी किताबें खुद छपवा कर अपने सम्मान समारोह आयोजित करके अपनी मौलिक राह पर चलने का साहस करने वाले कलाकारों को 'जाति बाहर' कर देने का फरमान सुना देते हैं। लो, इक्कीसवीं सदी का पांचवां हिस्सा गुजर गया। सामाजिक कायाकल्प कर देने के लिए 'मन की बात' भी होती रहती है, लेकिन आदर्शों का 'झण्डा ऊंचा रहे हमारा' का बैंड बाजा उसी तरह कोलाहल करता रहेगा। चाहे उसके पिछवाड़े नारी समानता और नारी शक्तिकरण के नाम पर अपहरण और दुष्कर्म की घटनाएं अधिक क्रूरता की सीमा लांघ जाएं। नित्य नए गुडिया कांड होते हैं और उनके अपराधी प्रत्यक्ष साक्ष्यों के बावजूद न्याय की चक्की में तारीख पर तारीख के बचाव मार्ग को अपनी उच्च कुलीनता की शाल की तरह ओढने का अभिनय करते रहे हैं।

आप का नजरीया

फेल परीक्षा परिणाम

परीक्षा की भाषा अगर चोटिल हो, तो परिणामों के मकबरे खूब सजेंगे। स्कूल शिक्षा बोर्ड की जमा दो परीक्षा अपने परिणामों के मकबरे पर आकर दफन हो गई, नतीजा यह कि अब सारा जखीरा बदल कर पुनः घोषित होगा परीक्षा परिणाम। इस स्थिति को सहना न तो परीक्षार्थियों के लिए आसान है और न ही इससे गुजर कर शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन विश्वसनीय होगा। जो भी हो, हिमाचल की जमा दो परीक्षा ने करियर और युवा महत्त्वाकांक्षा के बाजार को पूरी तरह रौंद दिया। पहले एक परीक्षा केंद्र में गलती से अंग्रेजी का प्रश्नपत्र खुलने से इसे आगे सरका दिया गया और अब पुरानी और नई आंसर की के द्वंद्व ने परीक्षा परिणाम को फंसा दिया। परीक्षा की कोख में शिक्षा बोर्ड की लापरवाही पर लापरवाही का जन्म होना पूरी व्यवस्था को असफल करार करता है। इस परीक्षा में स्कूल शिक्षा बोर्ड ही फेल हो गया और अब इसका हर्जाना पूरे छात्र समुदाय को चुकाना पड़ेगा। इसके साथ शिक्षा में परीक्षा के भूत फिर खूंखार निकले और खोखली हो गई मेरिट सूची भी। अरमानों की किश्ती ने जो समुद्र खोजे थे, वे सूख गए क्योंकि नाविक ने लापरवाही की। बेशक स्कूल शिक्षा बोर्ड ने चार अधिकारियों पर कार्रवाई कर दी है, लेकिन परीक्षा को अपाहिज करने वाली तो पूरी व्यवस्था थी। वे तमाम प्रेस नोट और संबोधन खोटे निकले जो इसी परीक्षा परिणाम को दावे से घोषित कर रहे थे। आशंकाएं हमेशा काबिलीयत पर भारी पड़ती हैं, लेकिन परीक्षा परिणामों में से चौकसी और सतर्कता ही छिन्न-भिन्न हो जाए, तो परीक्षार्थियों के सितारे गर्दिश में देखे जाएंगे। आश्चर्य यह कि मल्टीपल च्वाइस क्वेश्चन के सोलह अंकों का मूल्यांकन ही गलत हो गया। बोर्ड के लिए एक पन्ना सरक गया, लेकिन यहां तो जिंदगी से बच्चों के कई पल और राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में सारी हलचल गायब हो गई। अब सवाल यह कि निराशा में परीक्षा परिणाम को कोसें या सुधार के लिए बोर्ड के लारे लप्पे सुनें। परीक्षा परिणाम अब काठ की हांडी पर उबल रही खिचड़ी बन गए, जहां न तो पूरा पकेगा और न ही यह बर्तन इस आंच पर बचेगा। जो भी हो, सरकार को इस लापरवाही के लिए कुछ तो कार्रवाई करनी होगी। यह अब स्कूल शिक्षा बोर्ड का आंतरिक मामला नहीं, हिमाचली बच्चों के भविष्य से खेलने का एक बड़ा अपराध है। एक व्यापक छानबीन ही बता पाएगी कि पहले चुवाड़ी स्कूल में अंग्रेजी का प्रश्नपत्र कैसे गलती से खुल गया और अब गलत आंसर की गले में क्यों अटक गई। गलती पर गलती करके स्कूल शिक्षा बोर्ड ने साबित कर दिया कि छात्रों को आइंदा भी इस पद्धति पर संदेह करना पड़ेगा। बेशक परीक्षा परिणाम की दुरुस्ती हो जाएगी, लेकिन छात्र समुदाय के लिए असमंजस की स्थिति पैदा हो चुकी है। जमा दो की परीक्षा सिर्फ परिणाम की ख्वाहिश नहीं, बल्कि आगे बढने की अभिलाषा और राष्ट्रीय मंचों पर मूल्यांकन की आशा है। जाहिर है जहां बाकी बोर्ड अपने छात्रों को पहुंचा पाए हैं, वहां हिमाचली बच्चों का संघर्ष अभी धरातल पर ही जारी है। कुछ दिनों में पुनः सफलता और मेरिट की सूचियां बनेंगी तथा आजमाइश शुरू होगी। आसमान से गिरकर खजूर पर लटकी बारहवीं की परीक्षा ने अपने परिणामों की अब एक नई मंडी खोल दी है। क्या चार अधिकारियों पर कार्रवाई करके स्कूल शिक्षा बोर्ड अपनी गलती का प्रायश्चित कर पाएगा या पूरे संस्थान को गंगा स्नान कराने के लिए सरकार भी ठोस कार्रवाई करेगी। मीनारें यूं ही नहीं टूटतीं, सुराख करने वाले उन्हीं के आसपास होते हैं। यह दायित्व की सीढियों, सरकारी नौकरी के आराम, जवाबदेही के पतन और शिथिल प्रबंधन की बानगी है कि एक पूरी परीक्षा, स्कूलों के वार्षिक फलक और बच्चों की मेहनत का अहम पड़ाव बोर्ड के प्रांगण ने ही लूट लिया। कम से कम हिमाचली भविष्य का संस्थान, अपनी ही प्रतिभा के साथ खिलवाड़ करके प्रदूषित घोषित हो रहा है। इसे कम से कम मानवीय चूक के लबादे से छुपाया नहीं जा सकता।

दृष्टि कोण

रुमानियत और रुहानियत का मेल है शायरी

हिमाचल के अलग-अलग कस्बों/शहरों से कभी कभार कवि सम्मेलनों और मुशायरों की खबरें देखने-पढने को मिलती रहती हैं। जहां तक हिमाचल प्रदेश में उर्दू शायरी का सवाल है तो हिमाचल प्रदेश में शायरी का झंडा बुलंद करने वाले जिन शायरों के नाम आज भी इज्जत से लिए जाते हैं, उनमें जनाब लालचंद प्रार्थी 'चांद' कुल्लुवी, पवन सिंह जमाल, शबाब ललित, शायर मनोहर लाल शर्मा 'सागर पालमपुरी', इनके तीनों ही बेटे द्विजेंद्र द्विज, कमल शर्मा और नवनीत शर्मा आज भी अपनी पैतृक विरासत को आगे जारी रखे हुए हैं। इनके अलावा सुरेश चंद्र, अशोक 'शिमलवी', परमानंद शर्मा जालंधरी, डॉक्टर नलिनी विभा नाजिली आदि के नाम प्रमुख हैं तो नए शायरों में ऋषभ शर्मा, रजनीश कुमार और विकास राणा 'फिक्र' ने हालिया दौर में अपने हुनर से अपनी अलग पहचान बनाई है। हिमाचल में शायरी की समझ रखने वाले कद्रदानों की भी कोई कमी नहीं है। पिछले दिनों पालमपुर में कायाकल्प और विश्रांति प्रबंधकों के सौजन्य से वहां के सभागार में आयोजित मुशायरे में उमड़ी भीड़ और इरशाद, वाह ! वाह ! बहुत खूब की गूंजती आवाजें बता रही थीं कि शायरों के कलाम और उनके शब्दों में छुपी गूढ़ भावनाएं कहीं न कहीं श्रोताओं के अंतर्मन को कहीं गहरे तक छू रही थीं। मौका था, बैजनाथ के निकटवर्ती गांव बही के युवा कलमकार और शायर विकास राणा 'फिक्र' के $ग़ज़ल संग्रह 'अभी इक शे'र कहना रह गया है' के लोकार्पण का, जो पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार के सान्निध्य में मुकम्मल हुआ। इस मौके पर मुनाजिम/आयोजित मुशायरे में शे'रो शायरी का दौर भी चला जिसमें तरहत एहसास, शमीम अब्बास, प्रवीण सक्सेना, सुजीत हासिल, शाहिद अंजुम, विनीत आशना, विकास शर्मा 'राज', तरकस प्रदीप, नवनीत शर्मा, माधवी शंकर, कर्नल विवेक सिंह 'अक्फर' और विकास राणा 'फिक्र' जैसे नामचीन शायरों ने अपने-अपने कलाम पढक़र पालमपुर की शायरी में दिलचस्पी रखने वाली जमात को एक नई दुनिया की सैर करवाकर विस्मित और मंत्रमुग्ध कर दिया। शायरी की दुनिया एक ऐसी जगह है जहां भावुकता, कल्पना, अभिव्यक्ति, अंतर्मन की गहन भावनाओं और जज्बातों को पनाह मिलती है तो वहीं प्रेम, दुख, जीवन और मृत्यु जैसे विषयों पर कविताएं, नज्म और शे'र जब किसी मुशायरे में फनकार सुनाते हुए आगे बढ़ते हैं तो सभास्थल में दर्शक दीर्घा से बजने वाली तालियां मुशायरे की अहमियत को खुद-ब-खुद बयां कर देती हैं। यह एक ऐसा स्थान होता है जहां लोग अपने मन की गहनतम भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं और दूसरों के साथ साझा करते हैं। कवि सम्मेलन और मुशायरे भारतीय संस्कृति के विभिन्न आयामों को जीवंत रखने में अहम भूमिका अदा करते हैं। यह न केवल आम लोगों को अपने साथ जोड़ते हैं, बल्कि अपने श्रोताओं के ज्ञान में इजाफा और समझ में बढ़ोत्तरी भी करते हैं। शायरी लोगों को जीवन और दुनिया के बारे में अधिक जानने और समझने में मदद करती है, तो वहीं साहित्य को भी बढ़ावा एवं मजबूती देती है और उसे लोकप्रिय बनाती है। बकौल विनीत 'आशना' चंदौसी, 'किसी शायर के लिए शे'र सिर्फ जहनी कशमकश का हासिल नहीं है, बल्कि रोज की जी हुई जिंदगी के सवालों का जवाब लगते हैं, जिन्हें आप रोज दोहरा सकते हैं और जो बेचैन भी करते हैं, सुकून भी देते हैं।' ऐसा भी नहीं है कि शायरी की दुनिया में केवल इरशाद और वाह ! वाह ! ही होती है। शायरी और शायरों की राह में कई तरह की मुश्किलें एवं बाधाएं भी होती हैं। एक मुकम्मल शायर बनने के लिए किसी भी गैर उर्दू जुबां शख्स को सालों साल उस जुबां के शब्दकोश और भाषा पर पकड़ बनाने के साथ-साथ अपने विचारों और भावनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए कड़ी मेहनत, संघर्ष करना पड़ता है, तभी उनकी शायरी में रचनात्मकता, अंदाज, अल्फाज और लहजे में खुसूसियत की महक और खुशबू नुमाया होती है। दूसरे शायरी के लिए खास भाषा का प्रयोग करना कईयों के लिए कठिन हो सकता है, विशेष रूप से उर्दू और फारसी जैसी जटिल भाषाओं में, लिहाजा चंद लोग ही शायरी लिखने के लिए अपने आपको तैयार कर पाते हैं। सबसे बढक़र शायरी लिखने और सुधारने में समय लगता है, जोकि कई लोगों के लिए एक चुनौती रहती है। शायर विकास राणा 'फिक्र' कहते भी हैं कि शायरी की राह में भाषा पर पकड़ न होना एक बड़ा अवरोध है, तो वहीं योग्य रहनुमायी का अभाव तो खलता ही है। दूसरे जानकार और शायरी की समझ रखने वाली जमात का होना भी निहायत ही जरूरी है। विकास राणा चाहते हैं कि वे कम से कम अपने खित्ते बैजनाथ और पालमपुर में उर्दू शायरी में रुचि रखने वाले नवोदित कलमकारों के लिए आने वाले समय में कार्यशाला और सेमिनार का आयोजन करेंगे।

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पुलिस ने चलाया सर्च आपरेशन

पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरा परिसर खंगाला

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी से सनसनी फैल गई। कामकाज बंद कर चंडीगढ़ पुलिस ने हाईकोर्ट परिसर को खाली करवाया। करीब दो घंटे की सर्च में अभियान में कोई आपत्तिजनक या कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। गुरुवार सुबह एक ईमेल के माध्यम से हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई, जिसके बाद चंडीगढ़ पुलिस ने तत्काल सुरक्षा व्यवस्था को सख्त करते हुए हाईकोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी। धमकी की जानकारी मिलते ही पुलिस ने हाईकोर्ट में मौजूद सभी वकीलों और लोगों को बाहर निकाल दिया। साथ ही हाईकोर्ट की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को सील करते हुए बाहरी लोगों के आवागमन को बंद कर दिया गया है। हाईकोर्ट में कामकाज भी कुछ घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया है। चंडीगढ़ पुलिस तथा बम निरोधक दस्ते की टीमों ने पूरे हाईकोर्ट परिसर में सर्च ऑपरेशन चलाया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट की पार्किंग को खाली करवा दिया गया है। सर्च अभियान में कहीं कुछ भी बरामद नहीं हुआ। इसके बाद लंच टाइम के बाद न्यायालय की कार्यवाही फिर से शुरू हुई। पुलिस ने एहतियात के तौर पर चंडीगढ़ पुलिस ने शहर के एलांटे मॉल में भी सर्च ऑपरेशन चलाया। एलांटे की पार्किंग को भी खाली करवा लिया गया। पुलिस प्रशासन ने इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और आम जनता से सतर्क रहने की अपील की है। इस बीच हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव गगनदीप जम्मू ने एक बयान जारी कर कहा कि हाईकोर्ट में बम की धमकी के बारे में अलर्ट प्राप्त हुआ है। उन्होंने सभी सदस्यों को सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि यदि परिसर में कोई संदिग्ध या लावारिस वस्तु पाई जाती है, तो कृपया तुरंत हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के कार्यालय को सूचित करें। उन्होंने कहा कि लंच टाइम के बाद न्यायालय की कार्यवाही फिर से शुरू होगी।

भाखड़ा बांध पर सीआईएसएफ की तैनाती का पंजाब सरकार ने किया विरोध

चंडीगढ़ (हिंस)। भाखड़ा डैम की सुरक्षा में सीआईएसएफ की तैनाती के फैसले का पंजाब सरकार ने विरोध शुरू कर दिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार को फैसला वापस लेने की मांग करते हुए परोक्ष रूप से चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा कि भाखड़ा डैम पर सीआईएसएफ को तैनात किये जाने के बावजूद पंजाब पुलिस का पहरा रहेगा। केंद्रीय बलों की तैनाती के खर्च के तौर पर पंजाब सरकार केंद्र को कोई पैसा नहीं देगी। संगरूर में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में भगवंत मान ने कहा कि हमारे पास किसी अन्य राज्य को देने के लिए एक बूंद अतिरिक्त पानी है और न ही जबरन तैनात की जा रही सीआईएसएफ

के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को देने के लिए कोई पैसा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार यह रकम कभी भी अदा नहीं करेगी, क्योंकि केंद्र सरकार बांध पर केंद्रीय बलों को तैनात करके राज्य के पानी को चुराने की नीयत से यह घटिया चाल चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे आने वाले शनिवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री के सामने इस मुद्दे को जोरदार ढंग से उठाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भाजपा राज्य के सख्त खिलाफ है, क्योंकि पंजाब के लोगों ने उन्हें कभी वोट नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाखड़ा बांध पर सीआईएसएफ के 296 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे, जिस पर राज्य को 8.58 करोड़ रुपये का खर्च देना पड़ेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब पंजाब पुलिस पहले ही बांध की सुरक्षा को मुफ्त में सुनिश्चित कर रही है, तो हम यह पैसा बीबीएमबी को क्यों दें।

हिंदू मेरिज एक्ट में संशोधन की मांग पर पीएम से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल : कृष्ण श्योकंद

जींद (हिंस)। उचाना खुर्द आईटीआई में गुरुवार को आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचे जाट धर्मशाला कुरूक्षेत्र के प्रधान बनने के बाद पहुंचे कृष्ण श्योकंद ने कहा कि खापों के साथ युवाओं का नहीं हो रहा जुड़ाव, खापों के अंदर जो-जो त्रुटियां आई हैं, उनको लेकर कुरूक्षेत्र में तीन दिनों का सेमिनार का आयोजन होगा। हिंदू मेरिज एक्ट में संशोधन की मांग को लेकर कुरूक्षेत्र में जो सर्व जातीय सर्व खाप महपंचायत हुई थी। उसमें 21 प्रतिनिधियों का अध्यक्ष मंडल चुना गया। यह अध्यक्ष मंडल कानूनी राय लेकर राष्ट्रपति, पीएम, केंद्रीय कानून मंत्री, सीएम से मिलेगा। खाप पंचायतों से अपील करते हुए कहा कि जहां गांव में मंदिर, चबूतरा बने हैं वहां पर एक लाइब्रेरी जरूर युवाओं की कोचिंग के लिए बनाए। पत्रकारों को जानकारी देते हुए जाट धर्मशाला कुरूक्षेत्र के प्रधान कृष्ण श्योकंद ने कहा कि बीते दिनों कुरूक्षेत्र के अंदर सर्व जातीय सर्व खाप महापंचायत बुलाई गई थी। प्रदेशभर से लगभग खापों एवं कुरूक्षेत्र के अंदर जितनी धर्मशालाएं, धार्मिक संगठन है उनके 41 प्रतिनिधि पहुंचे। 21 प्रतिनिधियों का अध्यक्ष मंडल चुना गया जिसका विस्तार किया जाएगा। जल्द लीगल राय लेकर किस तरह से बदलाव हिंदू मेरिज एक्ट में हो सकता है, उसको लेकर राष्ट्रपति, पीएम, केंद्रीय कानून मंत्री, सीएम से अध्यक्ष मंडल मिलेगा। श्योकंद ने सभी खाप प्रतिनिधियों से आह्वान करते हुए कहा कि आपस में सभी मतभेद भुलाकर खापों को एक मंच पर आना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने चित्रकूट और अंबेडकरनगर में बज्रपात से हुई जनहानि पर जताया शोक

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चित्रकूट और अंबेडकरनगर जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने दिवगंतों के परिजनों को अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने इस आपदा में घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराने के भी निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व बुधवार को अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज आंधी और बारिश प्रदेश भर में हुई। इस आंधी और बारिश में कई जिलों में आकाशीय बिजली का कहर देखने को मिला। चित्रकूट में आंधी, पानी ने भारी नुकसान पहुंचाया है। यहां पर मऊ तहसील क्षेत्र के अंतर्गत घुरेहटा गांव में रात में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से घर के बाहर सो रहे रामबदन (32) पुत्र शिवभजन की मौत हो गई। वहीं जिले में 40 बिजली के खंभे और करीब 30 पेड़ जगह-जगह गिर गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस : पौधारोपण कर व परिंडे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जोधपुर (हिंस)। शहर में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर गुरुवार को विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम हुए। इस दौरान पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के एक्शन प्लान माह मई के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जिला एवं सत्र न्यायाधीश जोधपुर जिला पूरण कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरुवार को सेंट्रल जेल में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष पूरण कुमार शर्मा के साथ सचिव डॉ. मनीष हरजाई, केन्द्रीय कारागृह अधीक्षक प्रदीप लखावत द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसी क्रम में पक्षियों के दाना-पानी के लिए परिंडे व घोंसलें भी लगवाए गए। इस अवसर पर पूरण कुमार शर्मा ने उपस्थितजन को वृक्ष लगाने एवं लगाए हुए वृक्षों का संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया एवं उन्होंने सभी उपस्थितजन को

बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन काल में अधिकाधिक वृक्ष रोपित कर उसका संरक्षण करना चाहिए, जिससे प्रकृति का संतुलन भी बना रहे एवं उनके द्वारा जैव विविधता के संरक्षण एवं उसे बनाए रखने का संदेश दिया गया। वहीं शुष्क वन अनुसंधान संस्थान जोधपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन मुख्य अतिथि निदेशक अटारी (काजरी) डॉ. जेपी मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में जैव विविधता संरक्षण के लिए प्रकृति, तकनीक, उद्योग, संस्कृति एवं सभी वर्गों हेतु अनुकूल कृषि एवं वानिकी पद्धतियों के समावेश को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के आरम्भ में पौधारोपण किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत साफा एवं पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया गया। समूह समन्वयक शोध डॉ. संगीता सिंह ने अपने स्वागत उद्बोधन में इस वर्ष की थीम प्रकृति के साथ सामंजस्य एवं सतत विकास के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते को हुए पारिस्थितिकी तंत्र के लिए उपयोगी बताया। वैज्ञानिक सी डॉ. अदिति ने थार मरुस्थल की जैव विविधता एवं संरक्षण तकनीक पर व्याख्यान दिया। आफरी द्वारा निर्मित लघु फिल्म आफरी का जैव विविधता संरक्षण में योगदान का प्रदर्शन किया गया। इसमें आफरी के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कुसुम परिहार एसीटीओ ने कार्यक्रम का संचालन एवं डॉ. शिवानी भटनागर प्रभागाध्यक्ष विस्तार प्रभाग ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मानवीय, तकनीकी दक्षता की मिसाल बना ऑपरेशन सिंदूर : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के बहादुर सैनिकों ने *ऑपरेशन सिंदूर* को अंजाम दिया। इससे पूरे विश्व को भारत के शौर्य का संदेश मिला है और इससे देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रधानमंत्री ने यह संदेश दिया है कि अपने नागरिकों की रक्षा उनके लिए सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि अब तक हमने अनेक सैन्य अभियानों को देखा है, परंतु ऑपरेशन सिंदूर मानवीय, तकनीकी दक्षता और तेज रणनीति की अद्भुत मिसाल है। गुरुवार को जिला कुरुक्षेत्र के लाडवा शहर में *ऑपरेशन सिंदूर* में सैनिकों के शौर्य और सम्मान में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री की अगुवाई में तिरंगा यात्रा में भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री सैनी ने रामकुंडी धर्मशाला के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पहलगाम में आतंकियों के शिकार बने पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हमारे सैनिकों ने पाकिस्तान की सरजमीं पर आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर मिट्टी में मिलाने का काम किया है। ऐसा करके संदेश दिया कि भारत की

संप्रभुता की तरफ आंख उठाने का अंजाम बहुत बुरा होगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे तिरंगे की शान को ऊंचा उठाने का संकल्प लें और सेवा, समर्पण व स्वाभिमान के पथ पर लगातार आगे बढ़ें। ऐसे भारत का निर्माण करें, जो अपने आप में एक गौरवशाली अतीत से सीख कर मजबूत भविष्य की ओर आगे बढ़ें।

युद्ध के समय एनसीसी सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस : ले. कर्नल सिंह

जोधपुर (हिंस)। टू राज आर्म्ड स्कॉड एनसीसी के अंतर्गत एनसीसी कैडेट के लिए संचालित दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर ब्रिगेडियर जबर सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित हो रहा हैं। कैंप के प्रथम दिन सीनियर तथा जूनियर डिवीजन के लगभग 600 कैडेट्स ने रजिस्ट्रेशन करवाया। कैंप के द्वितीय दिन में कैंप कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल हर्षवीर सिंह ने ओपनिंग एड्रेस में सभी कैडेट्स, पीआई स्टाफ, एएनओस को संबोधित करते हुए कहा कि युद्ध के समय एनसीसी सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस है। एनसीसी ने 1965 तथा 1971 में भारतीय सेना का स्वयंसेवक के रूप में सहयोग किया। इन्होंने कैंप के दौरान सकारात्मक व्यवहार करने तथा विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने हेतु कैडेटस को प्रोत्साहित किया और एनसीसी करने के फायदे बताए। कैंप का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स को भारतीय सेवा की गतिविधियों से पहचान करना है। कैंप के दौरान पीटी, खेल, योग, ड्रिल, स्टडी क्लास, गेस्ट लेक्चर, फायरिंग, वाद विवाद, आशु भाषण, निबंध, चित्रकला तथा अन्य कई प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। कैंप के दौरान पीआई स्टाफ सीनियर जेसीओ सतनाम सिंह, जसविंदर सिंह, भेरू सिंह, अमनदीप, एअन पतराज, खिमेस पवार, संग्राम सिंह, श्रवण सेन, दिलीप सिंह, राजेश बंजारा, महेंद्र सिंह, सुमन कुमावत, नीतू सोनी, शशि पुरोहित, मदनलाल, भवानी सिंह, दुष्यंत सिंह, आरिफ हुसैन इत्यादि साथ रहे।

बीकानेर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, करणी माता मंदिर में की पूजा-अर्चना

बीकानेर (हिंस)। *ऑपरेशन सिंदूर* की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को पहली बार राजस्थान पहुंचे। वे सुबह लगभग साढ़े दस बजे बीकानेर के नाल एयरबेस पहुंचे, जहां राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने उनका स्वागत किया। नाल एयरबेस से प्रधानमंत्री मोदी सीधे देशनोक स्थित करणी माता मंदिर पहुंचे और विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में लगी शूरवीरों से संबंधित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने देशनोक रेलवे स्टेशन पर बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई और बच्चों से मुलाकात भी की।

बिहार विधानसभा चुनाव : जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

कटिहार (हिंस)। आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारी के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी ने गुरुवार को सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय राजनीतिक दल के अध्यक्ष और सचिव के साथ बैठक की। इस बैठक में ईवएम/वीवी पैट का प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी), मतदान प्रतिशत में वृद्धि लाने, मतदान केंद्र स्तरीय अभिकर्ता (बीएलए) की नियुक्ति, मतदान केंद्र का भौतिक सत्यापन एवं निर्वाचक सूची की तैयारी तथा लिंग अनुपात में वृद्धि आदि विषयों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन विभाग पटना के निर्देशानुसार आगामी बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 के पूर्व गतिविधि एवं निर्वाचक सूची के अंतिम प्रकाशन उपरांत सतत अद्यतीकरण के क्रम में निर्वाचक सूची में नाम परिवर्धन, विलोपन, संशोधन एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदु आदि विषयो पर विचार विमर्श किया गया। कटिहार जिला अंतर्गत 18-19 आयुवर्ग का प्रोजेक्टेड जनसंख्या 1, 90, 645 है जबकि वर्तमान तक उक्त आयुवर्ग का मात्र 35, 405 निर्वाचक ही

पंजीकृत हो पाए है। जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों से अनुरोध किया कि प्रोजेक्टेड जनसंख्या के अनुसार निर्वाचक सूची में पंजीकरण से वंचित योग्य युवाओं का नाम निर्वाचक सूची में पंजीकरण कराने हेतु अपने स्तर से भी क्षेत्र में निर्वाचकों को जागरूक करें। निर्वाचक सूची में पंजीकरण, संशोधन और विलोपन के लिए ऑनलाईन आवेदन के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अलावा वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन दाखिल किया जा सकता है।

उप्र में विभिन्न राज्यों से पकड़े गए कछुओं को किया जा रहा संरक्षित

कुकरैल, सारनाथ और चंबल में स्थापित किए गए कछुआ संरक्षण केंद्र

लखनऊ (हिंस)। जीव-जंतु के प्रति अनुराग रखने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कछुआ संरक्षण की दिशा में भी अभूतपूर्व कदम बढ़ाए गए हैं। 23 मई को विश्व कछुआ दिवस है। कछुआ की जैव समृद्धता व उनके संरक्षण के लिए जनजागरूकता पैदा करने के लिए वर्ष 2000 से विश्व कछुआ दिवस का आयोजन किया जाता है। विभिन्न राज्यों से पकड़े गए कछुओं को उत्तर प्रदेश में लाकर संरक्षित किया जा रहा है। कुकरैल, सारनाथ व चंबल में कछुआ संरक्षण केंद्र तथा प्रयाग के पास कछुआ अभयारण्य केंद्र की स्थापना की गई है। भारत में कछुआ की 30 प्रजाति पाई जाती है, इसमें से 15 उत्तर प्रदेश में मिलती हैं। योगी सरकार का इनके संरक्षण व संवर्धन पर पूरा जोर है। कछुआ धरती पर पाया जाने वाला सबसे प्राचीन व लम्बी आयु का प्राणी है। यह जलीय पारितंत्र का महत्वपूर्ण घटक भी है। यह पानी के सफाई कर्मी के रूप में भी जाना जाता है। प्राचीन सभ्यताओं से लेकर प्रदेश के इतिहास में विभिन्न रूपों में इनका जिक्र है। कच्छप

अवतार के रूम में तो कच्चा हमारी परंपरा में पूजनीय भी है। योगी सरकार के नेतृत्व में वन विभाग कछुओं के संरक्षण के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध है। जलीय स्रोत (नदी, तालाब, झील) आदि प्रदूषित हो रहे हैं। ऐसे में कछुए की कटहवा, मोरपंखी, साल, सुंदरी आदि प्रजातियां जल को प्रदूषण मुक्त रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उत्तर प्रदेश वन एवं वन्यजीव विभाग ने कछुओं के विलुप्त होने तथा इनके अवैध व्यापार को रोकने की दिशा में कई प्रयास किये हैं। विभिन्न राज्यों में पकड़े गए उत्तर भारत के कछुओं को वापस उत्तर प्रदेश में लाकर पुनर्वासित किया गया है। यह प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं। प्रदेश में तीन केंद्रों (कुकरैल, सारनाथ तथा चंबल) के माध्यम से कछुआ संरक्षण की दिशा में अग्रसर हैं। नमामि गंगे परियोजनाओं के अंतर्गत भी कछुआ एवं उनके प्राकृतिक वास की पहचान के साथ संरक्षित करने की दिशा में कार्य शुरू किया है। प्रयाग के समीप कछुआ अभयारण्य बनाया है। प्रयागराज के डीएफओ अरविंद यादव ने बताया कि 2020 में इसकी स्थापना हुई थी। 30 किमी. के दायरे में यह अभयारण्य है। यह तीन जिलों (प्रयागराज के कोठरी मेजा से होते हुए मीरजापुर, भदोही होते हुए उपरवार) तक फैला है। कछुए की 30 प्रजातियां भारत में पाई जाती हैं। इनमें से 15 प्रजातियां उत्तर प्रदेश में पाई जाती हैं। इनमें से ब्राह्मणी, पचेड़ा, कोरी पचेड़ा, कालीटोह, काला कछुआ, हल्दी बाथ कछुआ, साल कछुआ तिलकधारी, ढोर कछुआ, भूतकाथा कछुआ, पहाड़ी त्रिकुटकी कछुआ, सुंदरी कछुआ, मोरपंखी कछुआ, कटहवा लिथरहवा, स्योंटर फाइटर, पार्वती कछुआ आदि प्रमुख हैं। इस संबंध में उप्र प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव)अनुराधा वेमुरी ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशन में वन-वन्यजीव विभाग कछुआ संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्यरत है। प्रदेश के तीन केंद्रों के माध्यम से कछुआ संरक्षण किया जा रहा है तो वहीं कछुआ के व्यापार पर भी अंकुश लगाया जा रहा है। अन्य राज्यों में भी पकड़े गए कछुओं को उत्तर प्रदेश में लाकर पुनर्वासित किया जाता है।

इंग्लैंड दौरे के लिए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पटना से हुए रवाना

पटना (हिंस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 22 मई 2025 को इंग्लैंड दौरे के लिए अंडर-19 क्रिकेट टीम की घोषणा की है, जिसमें बिहार के होनहार खिलाड़ी 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। टीम इंडिया अंडर-19 में चयन के बाद गुरुवार को इंग्लैंड दौरे पर जाने के लिए वैभव पटना से बेंगलुरू के लिए रवाना हो गए। वैभव बिहार के समस्तीपुर आए हुए थे, जहां उनका परिवार रहता है। यह दौरा 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक होगा। बेंगलुरू के लिए फ्लाइट पकड़ने के लिए वैभव करीब 4 बजे समस्तीपुर से पटना एयरपोर्ट पहुंचे। वैभव के साथ उनके पिता और चाचा भी थे। मीडिया कर्मियों ने वैभव से बात करनी चाही, लेकिन वो थैक्यू कहकर आगे बढ़ गए। वैभव के चाचा ने मीडिया से बात की और कहा कि भतीजे की कामयाबी से वो बहुत खुश हैं। बिहार के लिए यह गर्व की बात है। वैभव ने आईपीएल में इतना अच्छा परफॉर्मेंस किया है और आगे भी वह अच्छा करेगा। हम बहुत खुश हैं कि हमारा भतीजा भारतीय टीम का हिस्सा बनने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि वैभव ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया। अब

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। वैभव ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए सात मैचों में 252 रन बनाए हैं, जिसमें 35 गेंदों में एक रिकॉर्ड शतक (101 रन, गुजरात टाइटंस के खिलाफ) और एक अर्धशतक (57 रन, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ) शामिल है। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 206.55 रहा, जिसमें 18 चौके और 24 छक्के शामिल थे। 14 साल और 32 दिन की उम्र में वह पुरुष टी-20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के शतकवीर बने और उनका 35 गेंदों का शतक क्रिस गेल के बाद आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक था।

भारत-अमेरिका के बीच हो सकता है 8 जुलाई से पहले अंतरिम व्यापार समझौता

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच 8 जुलाई से पहले अंतरिम व्यापार समझौते का ऐलान होने की उम्मीद है। दोनों देश व्यापारिक तनाव कम करने के लिए ट्रेड डील पर चर्चा कर रहे हैं। भारत सरकार अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त 26 प्रतिशत टैरिफ से पूरी छूट की मांग कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि भारत सरकार, अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त 26 प्रतिशत टैरिफ से पूरी छूट की मांग कर रही है. दरअसल, अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ

भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त 26 प्रतिशत टैरिफ से पूरी छूट की मांग

लगाया था लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिया था, जो 9 जुलाई तक प्रभावी है. हालांकि, आधारभूत 10 प्रतिशत टैरिफ अभी भी लागू है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल वॉशिंगटन में अपने अमेरिकी समकक्ष हावर्ड लुटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के चरण पर चर्चा करने के लिए वहां थे। भारत की यह ट्रेड डील कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करने के लिए है, साथ ही कपड़ा, चमड़ा, और लेबर-गहन उद्योगों को भी टैरिफ राहत की मांग है। अमेरिकी प्रशासन को यूएस कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता है अमेरिकी नीचे टैरिफ को कम करने के लिए, लेकिन वह पारस्परिक टैरिफ को हटा सकता है।

दिल्ली के बावली बाजार में ड्राई फ्रूट्स महंगे, मांग में कमी, भारत पाक में जंग का असर, मंडी में ड्राई फ्रूट्स आना बंद

नई दिल्ली। दिल्ली के मशहूर खारी बावली बाजार में भारत-पाक के बीच उमड़े तनाव का सीधा असर दिखाई देने लगा है। यहां पर ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। एशिया का सबसे बड़ा मेवा बाजार बावली भी इस संकट से झूझ रहा है। व्यापारियों की मानें तो भारत-पाक तनाव के कारण कई बॉर्डर बंद हो गए हैं, जिसके कारण सीमा पार से आने वाले ड्राई फ्रूट्स की आपूर्ति में कमी आ गई है। जिसकी वजह से ड्राई फ्रूट्स की कीमतें 300 से 400 रुपए तक बढ़ गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में चीनी खिलौने लाबुबू की मांग 900 फ़ीसदी बढी

न्यूयॉर्क। अमेरिका में चीन का खिलौना जिसे लाबुबू के नाम से जाना जाता है। अमेरिका की सरकार द्वारा भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद भी इस खिलौने की मांग जिन प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है। इस छोटे से खिलौने की बिक्री 900 फ़ीसदी बढ़कर 41 करोड़ डॉलर पर पहुंच गई है। भारतीय मुद्रा में लगभग 3500 करोड रुपए होता है। इस खिलौने का निर्यात चीन से हो रहा है। यह खिलौना अलग-अलग कॉस्ट्यूम में आता है। इसकी आंख गुस्से में लाल दिखती है इसकी मुस्कान भी डरावनी होती है। इसके बाद भी अमेरिकन परिवारों में इस खिलौने की मांग बढ़ती ही जा रही है। यह खिलौना बच्चों के साथ-साथ युवाओं और सेलिब्रिटीज के बीच में भी स्टेटस सिंबल बन गया है। इस खिलौने की कीमत अमेरिका में 85 डॉलर की है। भारतीय मुद्रा में लगभग 7300 रूपये होती है। इस खिलौने पर टेरिफ़ बार का कोई असर नहीं पडा है। चीन में निर्मित यह खिलौना द मॉंसटर्स स्टोरी बुक से प्रेरित हैं।

बेंगलुरु में 15,000 सीट वाला एसएपी का नया उत्कृष्टता केंद्र अगस्त में खुलेगा

ऑरलैंडो। जर्मनी की तकनीकी कंपनी एसएपी ने इस साल अगस्त में बेंगलुरू में एक नया उत्कृष्टता केंद्र खोलने की योजना घोषित की है। यह केंद्र 15,000 सीटों की विशाल क्षमता वाला होगा और भारत में बढ़ती कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। इसके जरिए कंपनी भारत में अपनी पहचान मजबूत करना चाहती है। एसएपी के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य और कंपनी के उत्पाद एवं इंजीनियरिंग प्रमुख ने बताया कि नया केंद्र एसएपी सफायर 2025 के रूप में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से कंपनी भारत में एक बड़े उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना करने जा रही है। नया केंद्र भारत के पोष्य बेंगलुरू के देवनहल्ली में लगेगा और एसएपी लैब्स इंडिया के दूसरे परिसर के रूप में कार्य करेगा। एसएपी लैब्स इंडिया में अब 15,000 अतिरिक्त लोग काम करेंगे। मुख्य रूप से व्यापारिक क्षेत्रों में काम करने वाली एसएपी लैब्स इंडिया ने बताया कि उन्हें भारत के बढ़ते बाजार में अपना प्रभाव बढ़ाना है। वह कई क्षेत्रों में कारोबार कर रहे हैं और इस नए केंद्र से उनकी मौजूदगी मजबूत होगी।

सीसीपीए ने उबर को एडवांस टिप सुविधा पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यात्रा सुविधा मुहैया कराने वाली फर्म उबर को उसकी 'एडवांस टिप' सुविधा पर नोटिस जारी किया है। सीसीपीए के क्रियाशील मंत्री प्रहलाद जोशी ने उबर की इस सुविधा को अनैतिक और शोषणकारी बताया है। जोशी ने कहा कि 'एडवांस टिप' सुविधा यात्रा के बाद टिप देने के लिए मजबूर करने की अनैतिक प्रथा है। इसे सराहना के प्रतीक के रूप में देना चाहिए, न कि अधिकार के तौर पर। सीसीपीए ने उबर से स्पष्टीकरण मांगा है और उबर ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया। यह पहली बार नहीं है जब सीसीपीए ने उबर पर नोटिस जारी किया है। मंत्री प्रहलाद जोशी ने जताई कड़ी नाराजगी, कहा- यह अनैतिक प्राधिकरण ने जनवरी में भी उबर और ओला को अलग-अलग दरें वसूलने के लिए नोटिस जारी किया था। दोनों कंपनियों ने इसे नकारा और कहा कि वे समान मूल्य निर्धारण नीति का पालन करते हैं। इस साल जनवरी में प्राधिकरण ने कैब एग्रीगेटर उबर और ओला दोनों को कथित तौर पर उनके मोबाइल फोन ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर समान मार्गों के लिए उपभोक्ताओं से अलग-अलग दरें वसूलने के लिए नोटिस जारी किया था। हालांकि, दोनों प्लेटफार्मों ने ऐसे आरोपों से इनकार करते हुए कहा था कि वे समान मूल्य निर्धारण नीति का पालन करते हैं और आईफोन या एंड्रॉयड फोन का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के बीच कोई अंतर नहीं करते हैं।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजारों में बिकवालों का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

अमेरिका में बॉन्ड यील्ड की बढ़ोतरी और 20 साल के बॉन्ड ऑक्शन की फीकी डिमांड की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निराशा का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स 816 अंक तक टूट गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 95.85 अंक यानी 1.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,844.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 270.07 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,872.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.07 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 41,888.69 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणामों के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,786.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.36 प्रतिशत उछल कर 24,122.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,910.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,181.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत उछल कर 7,171.10 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.06 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 3,387.63 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 234 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,596 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.33 प्रतिशत टूट कर 3,869.82 अंक के स्तर तक गिर गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.35 प्रतिशत फिसल कर 2,590.10 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 426.18 यानी 1.14 प्रतिशत लुढ़क कर 36,872.80 के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 148.61 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 21,655.30 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 131.90 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,695.88 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

फिच ने 2028 तक भारत की औसत वृद्धि क्षमता बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत की

नई दिल्ली

फिच रेटिंग्स ने भारत की औसत वार्षिक वृद्धि क्षमता का अनुमान 2028 तक बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। इससे पंद्रह हजार की औसत वृद्धि क्षमता में एक प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई है। नवंबर 2023 में यह अनुमान 6.2 प्रतिशत रहा था। फिच ने इस खोज का मूल ईमानदार मायने में अपने पूर्वानुमान को अपडेट किया है और कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने उनकी पिछली अपेक्षाओं से बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे वैश्विक महामारी के प्रभाव कम होने की संकेत मिला है। फिच रेटिंग्स ने इस परिदृश्य में 10 उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के लिए अपनी मध्यम अवधि संभावित जीडीपी अनुमानों को थोड़ा कम किया है। नया अनुमान जीडीपी की वृद्धि दिखाता है, जो पिछले आकलन से कम है।

ग्रॉसरी और सब्जियां डिलीवर करने वाली ऐप बंद , यूजर्स के हजारों रुपए फंसे

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में फल-सब्जियों और ग्रॉसरी की ऑनलाइन डिलीवरी के लिए लोकप्रिय ओटिपी एप्प अब बंद हो गई है, जिससे ग्राहकों में उथल-पुथल मच गई है। कई यूजर्स ने शिकायत की है कि ऐप ने बिना किसी सूचना के अपना संचालन बंद कर दिया, जिससे उनके वॉलेट में हजारों रुपये अटक गए हैं। कई यूजर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आरबीआई और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को टैग करते हुए जवाब मांगा है। ओटिपी एप्प के प्रीपेड पेमेंट वॉलेट और सामान मंगवाने की सुविधा के बंद हो जाने से ग्राहकों को काफी परेशानी हो रही है।

ओएनजीसी के तिमाही लाभ में 35 फीसदी गिरावट

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने जनवरी-मार्च तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 35 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। इसके बावजूद ओएनजीसी ने तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में सुधार किया और वित्त वर्ष 2024-25 में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए। कंपनी ने इस तिमाही में 6,448 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कम है। कंपनी ने कच्चे तेल के उत्पादन में कमी देखी और पेट्रोल और डीजल के दामों में भी गिरावट आई। प्राकृतिक गैस का उत्पादन भी गिरा, जो इस तिमाही में 4.893 अरब बीसीएम रहा। अन्य साधनों के साथ, यह गैस बिजली और उर्वरक के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

झारखंड की आर्थिक स्थिति और वित्तीय प्रबंधन से रू-ब-रू होगा 16वां वित्त आयोग

रांची

झारखंड की आर्थिक स्थिति और वित्तीय प्रबंधन की वास्तविकता को जानने के लिए ऑडिट की प्रधान महालेखाकार की टीम को 16वें वित्त आयोग ने दिल्ली बुलाया है। प्रिंसिपल आकाउन्टेंट जनरल (पीएजी) (ऑडिट) इंदू अग्रवाल के नेतृत्व में टीम गुरुवार की शाम दिल्ली पहुंचेगी। अगले दिन शुक्रवार को यह टीम एक प्रजेंटेशन के माध्यम से आयोग की ओर से मांगी गई समेकित जानकारी उपलब्ध कराएगी।

टीम में पीएजी के अलावा उनके सचिव चंपक राय और सीनियर ऑडिट ऑफिसर अजय झा शामिल हैं। 28 मई को 16वें वित्त आयोग का अध्ययन दल झारखंड आ रहा है। इससे पूर्व आयोग, राज्य की आर्थिक स्थिति और वित्तीय प्रबंधन को समझना चाह रहा है। आयोग ने झारखंड के प्रधान महालेखाकार से पिछले चार वर्ष के राज्य संसाधन और उसमें टैक्स और नॉन टैक्स राजस्व की स्थिति पर विस्तृत जानकारी मांगी है। इसके अलावा पिछले चार साल की वर्षवार खर्च की स्थिति, एक्सपेंडीचर मैनेजमेंट सिस्टम, सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति और उस पर हुए खर्च का ब्योरा भी दिया जाएगा। पब्लिक मैनेजमेंट सिस्टम की स्थिति और राज्य सरकार की ओर से जो लोकल बॉडी को राशि दी गई है, यह जानकारी भी मांगी है। अधिकारियों के मुताबिक राज्य सरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में 30 मई को आयोग को आगामी पांच साल की मांगों को लेकर मेमोरेंडम सौंपेगी। इसमें राज्य की जरूरत और आर्थिक सहायता की जरूरत की तस्वीर पेश करेगी। इसमें विभागों की आवश्यकता बताएगी। इससे पूर्व 28 मई को आयोग के अध्यक्ष और सदस्य पतरातू डैम और रांची स्थित बिरसा मुंडा जेल म्यूजियम स्क्वायर भी जाएंगे। 31 मई को आयोग के अधिकारी यहां से प्रस्थान कर जाएंगे।

जुनिपर ग्रीन एनर्जी के नए सीईओ बने अंकुश मलिक

नई दिल्ली

जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने अंकुश मलिक को अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। कंपनी के अनुसार विद्युत क्षेत्र में 15 वर्ष से अधिक के अनुभव के साथ अंकुश नेतृत्व, रणनीतिक कार्यान्वयन और गहन उद्योग अंतर्दृष्टि का एक मजबूत अनुभव लेकर आए हैं।

अंकुश मलिक को 30 अप्रैल 2024 को मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के रूप में निदेशक मंडल में शामिल किया गया था। सीईओ के रूप में अपनी नई भूमिका में मलिक कंपनी की दीर्घकालिक वृद्धि रणनीतियों का नेतृत्व करेंगे। साथ ही कंपनी के संचालन, व्यवसाय विकास, परियोजना विकास, निर्माण एवं व्यवसाय के नियामक से जुड़े सभी पहलुओं पर गौर करेंगे। मलिक ने कहा कि भारत में ऊर्जा के क्षेत्र में बदलाव आ रहा है, ऐसे में जूनिपर ग्रीन एनर्जी भारत में बढ़ते अक्षय ऊर्जा क्षेत्र का लाभ उठाने के लिए तैयार है।

पेटीएम सीईओ के खिलाफ साइबर धोखाधड़ी की कोशिश, नकली सीईओ बनकर असली वाले को ही कर दिया फोन

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेटीएम भारत का एक प्रमुख ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म में संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा के साथ एक अनूठी घटना सामने आई है। एक साइबर अपराधी ने खुद को पेटीएम का सीईओ बताकर शर्मा को ठगने की कोशिश की। इस घटना की जानकारी देने वाली एक पोस्ट में शर्मा ने बताया कि धोखेबाज ने उनसे व्यक्तिगत जानकारी हासिल करने की कोशिश की थी। शर्मा ने साझा किया कि धोखेबाज ने कैसे एक व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से उनसे फोन नंबर सेव करने के लिए अनुरोध किया और उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। यह घटना उन्होंने एक मजाकिया बातचीत के स्क्रीनशॉट के माध्यम से साझा की थी। इस घटना ने भी डिजिटल दुनिया के स्याह पक्ष को उजागर किया है। वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (एफआरआई) द्वारा इस मामले की जांच शुरू की गई है। पेटीएम के सीईओ ने इस मामले में अपनी असली पहचान साबित करते हुए उससे वेतन वृद्धि पर विचार करने का अनुरोध किया है।

यूरोपा लीग 2024-25 : टोटनहैम हॉटस्पर ने 17 साल बाद जीता खिताब, चैंपियंस लीग में भी मिली जगह

बिलबाओ

टोटनहैम हॉटस्पर ने बुधवार देर रात यूरोपा लीग 2024-25 के फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराकर 17 साल के खिताबी सूखे को समाप्त कर दिया। ब्रेनेन जॉनसन के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत टोटनहैम ने यह मुकाबला जीता और साथ ही अगले सीजन की चैंपियंस लीग में भी अपनी जगह पक्की कर ली।

2008 के बाद पहला खिताब, 1984 के बाद पहली यूरोपीय जीत - यह टोटनहैम का 2008 लीग कप के बाद पहला खिताब है और 1984 के बाद पहली यूरोपीय ट्रॉफी। खास बात यह रही कि इस सीजन में टोटनहैम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को चार बार हराया है और यह इतिहास में पहली बार हुआ जब उसने एक ही सीजन में यूनाइटेड के खिलाफ चारों मुकाबले जीते हों।

जॉनसन का गोल बना निर्णायक, डिफेंस में चूक से मिला मौका - 42वें मिनट में टोटनहैम को वह मौका मिला जिसने मुकाबले की दिशा तय कर दी। पेपे सार के क्रॉस पर यूनाइटेड का डिफेंस बिखर गया, वहीं गोलकीपर आंद्रे ओनाना गोललाइन पर जमे रह गए। जॉनसन और ल्यूक शॉ दोनों गेंद तक पहुंचे और गेंद दोनों से लगकर नेट में चली गई।

यूनाइटेड को बराबरी का मौका नहीं मिला, वैन डी वेन की शानदार क्लियरेंस - दूसरे हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड के पास बराबरी का शानदार मौका था, जब रस्मुस होयलुंड का हेडर गोल की ओर जा रहा था, लेकिन मिकी वैन डी वेन ने लाइन पर शानदार क्लियरेंस कर दी। अंतिम क्षणों में भी ल्यूक शॉ का हेडर गोलकीपर विकारियो ने डाइव लगाकर बचा लिया।

जॉनसन बोले - 17 साल का इंतजार खत्म, अब कोई शिकायत नहीं - मैच के बाद ब्रेनेन जॉनसन ने कहा, इस सीजन में कुछ खास नहीं रहा, लेकिन आज कोई फर्क नहीं पड़ता। क्लब ने 17 साल से कोई ट्रॉफी नहीं जीती थी। यह जीत बहुत मायने रखती है। फैन्स हमें और टीम को ताने देते हैं, लेकिन हमें यह पहला कदम लेना था। बहुत खुश हूं।

कोच पोस्टेकोग्लू को मिली राहत, क्लब के भविष्य पर टिकी निगाहें - इस जीत के साथ ही टोटनहैम के कोच एंज पोस्टेकोग्लू के लिए यह एक बड़ी राहत लेकर आई है। खराब प्रीमियर लीग सीजन के बावजूद यह जीत उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मदद कर सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

आरसीबी ने टिम सीफर्ट को किया साइन, जैकब बेटल इंग्लैंड ड्यूटी के लिए होंगे रवाना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बचे मैचों के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम सीफर्ट को अपनी टीम में शामिल किया है। यह फैसला टीम के खिलाड़ी जैकब बेटल के इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के चलते लिया गया है। जैकब बेटल 23 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी का लीग चरण का आखिरी मुकाबला खेलने के बाद 24 मई को इंग्लैंड रवाना होंगे। इसके बाद से टिम सीफर्ट की टीम में एंट्री प्रभावी मानी जाएगी। न्यूजीलैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अब तक 66 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, जिनमें उन्होंने 1540 रन बनाए हैं। सीफर्ट को आरसीबी ने 2 करोड़ रुपये में साइन किया है। प्लेऑफ की दौड़ में टीम की संभावनाओं को देखते हुए उनकी मौजूदगी से आरसीबी के बल्लेबाजी क्रम को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

हांसी फ्लिक ने बढ़ाया बार्सिलोना के साथ करार, 2027 तक बने रहेंगे कोच

बार्सिलोना। स्पेनिश फुटबॉल क्लब एफसी बार्सिलोना ने अपने कोच हांसी फ्लिक के साथ करार को जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्लब ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। जर्मन कोच हांसी फ्लिक ने बार्सिलोना के साथ अपने पहले ही सीजन में ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जीतकर घरेलू ट्रेबल हासिल किया। उनके इस प्रदर्शन ने प्रशंसकों और क्लब प्रबंधन दोनों को प्रभावित किया है। फ्लिक ने जावी हर्नांडेज़ की जगह बार्सिलोना की कमान संभाली थी, जब टीम पिछले सीजन एक भी ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही थी। शुरुआती करार 2026 तक का था, जिसे अब एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। फ्लिक की कोचिंग में बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग में भी शानदार प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, जहां टीम को इंटर मिलान से कड़े मुकाबले में हार मिली। ला लीगा में बार्सिलोना अब तक 37 मैचों में 99 गोल कर चुका है और खिताब पहले ही अपने नाम कर चुका है। टीम रविवार को सीजन का अंतिम मुकाबला एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ खेलेगी। बार्सिलोना के बयान में कहा गया ,बार्सिलोना और हांसी फ्लिक के बीच करार का नवीनीकरण हो गया है, जो अब उन्हें 30 जून 2027 तक क्लब से जोड़े रखेगा। फ्लिक की यह सफलता बार्सिलोना के लिए एक नई उम्मीद और स्थिरता का संकेत है, जो आने वाले सीजनों में यूरोपीय फुटबॉल पर दबदबा कायम करने की ओर इशारा करती है।

सऊदी प्रो लीग 2024-25: रोनाल्डो और ड्यूरान के गोल से अल नासर ने अल खलीज को 2-0 से हराया

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग 2024-25 में बुधवार रात खेले गए मुकाबले में अल नासर ने अल खलीज को 2-0 से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम 33 मैचों में 67 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। अल नासर के लिए यह गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और जॉन ड्यूरान ने किए। पहला हाफ : गोल के मौके तो मिले, पर गोल नहीं पहले हाफ में अल नासर ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन अंतिम क्षणों में फिनिशिंग की कमी के चलते स्कोर खाता नहीं खुल सका। रोनाल्डो को दो बार गोल करने का मौका मिला, लेकिन वह गेंद को जाल में नहीं पहुंचा सके। कोच स्टेफानो पियोली की टीम आक्रमण में थोड़ी धीमी नजर आई। दूसरे हाफ में बदला खेल का रुख दूसरे हाफ में अल नासर ने पूरी आक्रामकता के साथ शुरुआत की। 47वें मिनट में रोनाल्डो को कटबैक पर गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन उनका शॉट बार के ऊपर चला गया। इसके बाद 63वें मिनट में अल नासर को पेनल्टी मिली, लेकिन रोनाल्डो ने वह मौका भी चूक दिया।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 की बदौलत नए पंख लगाकर उड़ान भरने को तैयार दीव

केआईबीजी दीव की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अनोखे तटीय आकर्षण को करेगा उजागर : डॉ. अरुण टी

दीव

दीव का नाम शायद आपने बहुत कम सुना होगा, लेकिन अब यह सब बदलने जा रहा है और इसका श्रेय जाता है खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2025 को। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इन खेलों ने दीव को दोबारा राष्ट्रीय चेतना में ला दिया है और भारत के सबसे सुंदर समुद्र तटीय शहरों में से एक दीव अब इन खेलों की बदौलत नए पंख लगाकर उड़ान भरने को तैयार है।

हालांकि इसकी पहली नींव पिछले साल स्थानीय प्रशासन ने रखी थी, जब उसने भारत में पहली बार किसी समुद्र तट पर मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट का आयोजन किया था। यह आयोजन उसी घोघला बीच पर हुआ था, जो खेलो इंडिया बीच गेम्स की मेजबानी कर रहा है। इस केंद्रशासित प्रदेश में एक लंबा समुद्री किनारा है और नागोआ और घोघला जैसे शानदार समुद्र तट हैं।

दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव के सचिव (खेल एवं युवा मामले विभाग) डॉ. अरुण टी ने एक बयान में कहा, पर्यटन के दृष्टिकोण से, केआईबीजी दीव की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अनोखे तटीय आकर्षण को उजागर करेगा। इससे राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित होगा। देशभर से पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और हमारा संघ प्रदेश एक पसंदीदा तटीय और खेल पर्यटन स्थल के रूप में उभरेगा। डॉ. अरुण टी ने कहा, खेलों के संदर्भ में ये खेल स्थानीय युवाओं के मध्य बीच और जल क्रीड़ाओं की लोकप्रियता बढ़ाएंगे, जमीनी स्तर पर भागीदारी को प्रोत्साहन देंगे और स्वास्थ्य व उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देंगे। इस आयोजन के लिए विकसित की गई अवसंरचना दीर्घकालिक विरासत छोड़ जाएगी, जिससे भविष्य में और भी ऐसे आयोजनों की मेजबानी संभव होगी और सालभर प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे।

पर्यटन की बढ़ती संभावना को लेकर डॉ. अरुण ने कहा कि हम सभी हितधारकों के साथ मिलकर इन खेलों की सफल मेजबानी सुनिश्चित करने और इस पहल के माध्यम से हमारे खिलाड़ियों, नागरिकों और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पेंचक सिलाट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर चुके प्रसन्ना बेंद्रे केआईबीजी 2025 के खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह दीव के निवासी हैं। वह दीव में इन खेलों के आयोजन को पर्यटन और अर्थव्यवस्था के लिए बेहद फायदेमंद मानते हैं। प्रसन्ना कहते हैं कि ये हमारे लिए अच्छा होगा। अगर हमारी अर्थव्यवस्था बेहतर होगी, तो सभी खेलों और खेल अवसंरचना को फायदा मिलेगा। इस साल के खेलो इंडिया बीच गेम्स में कुल छह मेडल गेम और दो डेमो गेम शामिल किए गए। मेडल गेम्स में सेपक टकरॉ, ओपन वॉटर स्विमिंग, बीच वालीबॉल, बीच कबड्डी, पेंचक सिलाट और बीच साकर शामिल हैं जबकि मलखंब और रस्साकशी को डेमो गेम के तौर पर शामिल किया गया है। इस साल भारत के 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 1300 से अधिक एथलीट 19 से 24 मई के बीच इन खेलों में भाग लेने के लिए दीव पहुंचे हैं। खेलो इंडिया बीच गेम्स के बारे में खेलो इंडिया बैनर के तहत आयोजित यह पहला बीच गेम्स है। खेलो इंडिया योजना के खेल प्रतियोगिता और प्रतिभा विकास के तहत 19 से 24 मई, 2025 तक दीव, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव में खेल आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य बीच गेम्स को बढ़ावा देना और बीच गेम्स की पहुंच और लोकप्रियता को बढ़ाना है। इस संस्करण में छह पदक वाले खेल बीच सॉकर, बीच वॉलीबॉल, बीच सेपक टकरा, बीच कबड्डी, पेनकैक सिलाट और ओपन वॉटर स्विमिंग शामिल हैं। दो (गैर-पदक) डेमो गेम- मल्लखंब और रस्साकशी को भी दीव खेलो इंडिया बीच गेम्स में शामिल किया गया है।

रोरी मैक्लरॉय पहली बार भारत में खेलेंगे, डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में करेंगे शिरकत

नई दिल्ली

ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोरी मैक्लरॉय अक्टूबर में दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाले 4 मिलियन डॉलर इनामी डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। यह टूर्नामेंट 16 से 19 अक्टूबर तक आयोजित होगा। रोरी मैक्लरॉय ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं हमेशा वैश्विक टूर्नामेंट खेलने का आनंद लेता हूं।

भारत में गोल्फ को आगे बढ़ाने की जबरदस्त संभावनाएं हैं। यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है और मैं भारतीय गोल्फ प्रशंसकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित हूं।

डीपी वर्ल्ड के मुख्य वित्तीय अधिकारी युवराज नारायण ने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हम दिल्ली को वैश्विक खेल मंच पर प्रदर्शित कर रहे हैं और युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने के लिए एक मंच बना रहे हैं। रोरी मैक्लरॉय की भागीदारी से न सिर्फ वैश्विक ध्यान आकर्षित होगा, बल्कि भारत को एक प्रमुख गोल्फ गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

मैक्लरॉय ने इस साल अप्रैल में प्रतिष्ठित ग्रीन जैकेट जीतकर अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। इससे पहले वे 2011 में यूएस ओपन, 2012 और 2014 में यूएस पीजीए चैंपियनशिप और 2014 में द ओपन खिताब अपने नाम कर चुके हैं।

डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप 2025 रेस टू दुबई के दूसरे चरण की नौ में से आठवीं प्रतियोगिता होगी। इस चरण के बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे और अंत में नवंबर में दुबई के जुमेराह गोल्फ एस्टेट्स में डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप का आयोजन होगा।

आईटीटीएफ विश्व टेबिल टेनिस चैम्पियनशिप

दोहा में आईटीटीएफ विश्व टेबिल टेनिस चैम्पियनशिप में खेलती हुई जापान की योशहीमुरा और सटसूकी की जोड़ी।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम घोषित आयुष म्हात्रे कप्तान, वैभव सूर्यवंशी को मिला मौका

नई दिल्ली

भारतीय जूनियर क्रिकेट समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसमें भारत की युवा टीम एक महीने तक इंग्लैंड की धरती पर अपना दमखम दिखाएगी। दौरे में एक 50 ओवर का वॉर्म-अप मैच, पांच युवा वनडे और दो मल्टी-डे मुकाबले खेले जाएंगे।

आयुष म्हात्रे को सौंपी गई कप्तानी - टीम की कमान आयुष म्हात्रे को सौंपी गई है, जबकि अभिज्ञान कुंडू को उपकप्तान और विकेटकीपर की जिम्मेदारी दी गई है। वैभव सूर्यवंशी को मुख्य टीम में शामिल किया गया है, जो हाल के घरेलू प्रदर्शन के आधार पर चयनकर्ताओं की नजर में आए।

जूनियर खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका - यह इंग्लैंड दौरा युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए खुद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर साबित करने का सुनहरा मौका होगा। खासकर कप्तान आयुष म्हात्रे और उपकप्तान अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी।

ये खिलाड़ी करेंगे इंग्लैंड में भारत का प्रतिनिधित्व - आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर एस अम्ब्रीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, हेनिल पटेल, युद्धाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, आदित्य राणा, अंमोलजीत सिंह। स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी और आलंक्रित रापोले (विकेटकीपर) को स्टैंडबाय खिलाड़ियों के रूप में रखा गया है।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 : यूरोप दौरे के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत बने कप्तान

हार्दिक सिंह उपकप्तान की भूमिका में कायम, जून में नीदरलैंड्स और बेल्जियम में होंगे मुकाबले

नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। यह चरण 7 से 22 जून 2025 तक नीदरलैंड्स के एम्सटेलवीन और बेल्जियम के एंटवर्प में खेला जाएगा। टीम की कमान एक बार फिर अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है जबकि मिडफील्ड के दमदार खिलाड़ी हार्दिक सिंह उपकप्तान बने रहेंगे।

भारतीय टीम अपने यूरोपीय सफर की शुरुआत 7 और 9 जून को नीदरलैंड्स के खिलाफ दो मैचों से करेगी, इसके बाद 11 और 12 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। ये सभी मुकाबले एम्सटेलवीन के वागनर स्टेडियम में खेले जाएंगे।

इसके बाद टीम 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एंटवर्प में खेलेगी और अंत में 21 और 22 जून को बेल्जियम से मुकाबला होगा। टीम में दो गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सुरज करकेरा को चुना गया है। डिफेंस में हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप ज़ेस, जर्मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और यशदीप सिवाच शामिल हैं।

मिडफील्ड की जिम्मेदारी राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और शमशेर सिंह जैसे खिलाड़ियों को दी गई है। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह जैसे आक्रामक खिलाड़ी टीम में शामिल हैं।

भारत ने इस साल की शुरुआत में भुवनेश्वर में खेले गए होम लेग में आठ मैचों में से पांच जीतकर 15 अंक जुटाए और वर्तमान में अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। इस लीग की टॉप टीम को 2026 एफआईएच वर्ल्ड कप में सीधी एंट्री मिलेगी, ऐसे में भारतीय टीम यूरोपीय लेग में अधिक से अधिक अंक बटोरना चाहेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा, हम इस बार टीम में थोड़ा और अनुभव चाहते थे और मुझे लगता है कि चयन एकदम सही है।

टीम ने अच्छी ट्रेनिंग की है और हम इस बार प्रो लीग जीतने के लक्ष्य से जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, अब तक हमने कोई मुकाबला ड्रॉ नहीं किया है, लेकिन आगे हमें कोशिश करनी होगी कि अगर जीत नहीं भी मिली तो कम से कम मुकाबले ड्रॉ करके शूटआउट में जाएं ताकि कुछ अंक मिल सकें। हमें पेनाल्टी कॉर्नर कन्वर्ज़न रेट में भी सुधार करना होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम - एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (यूरोपीय चरण)

गोलकीपर :
- 1. कृष्ण बहादुर पाठक
- 2. सुरज करकेरा

डिफेंडर :
- 3. सुमित
- 4. अमित रोहिदास
- 5. जुगराज सिंह
- 6. नीलम संजीप ज़ेस
- 7. हरमनप्रीत सिंह (कप्तान)
- 8. जर्मनप्रीत सिंह
- 9. संजय
- 10. यशदीप सिवाच

मिडफील्डर:
- 11. राज कुमार पाल
- 12. नीलकांता शर्मा
- 13. हार्दिक सिंह (उपकप्तान)
- 14. राजिंदर सिंह
- 15. मनप्रीत सिंह
- 16. विवेक सागर प्रसाद
- 17. शमशेर सिंह

फॉरवर्ड:
- 18. गुरजंत सिंह
- 19. अभिषेक
- 20. शिलानंद लाकड़ा
- 21. मंदीप सिंह
- 22. ललित कुमार उपाध्याय
- 23. दिलप्रीत सिंह
- 24. सुखजीत सिंह।

न बनाएं बोरियत को अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

लाइफस्टाईल

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस ख़त्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्ज़ा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

बाहर पढ़ने जा रहे हैं, तो इन बातों को कभी न भूलें

कैरियर

पढ़ाई-लिखाई या फिर रोजगार के सिलसिले में आपमें से कई लोगों को घर से बाहर जाना होगा। कुछ रह भी रहे होंगे। हालांकि कई लोगों के लिए यह अनुभव मजेदार होता है, पूरा आजादी और कोई रोक-टोक नहीं। लेकिन बात बस इतनी सी ही नहीं रहती है। घर से बाहर निकलने पर आपकी पूरी जिम्मेदारी भी आप पर ही हुआ करती है। खाना-पीना, कपड़े, अपनी चीजों की देखभाल, स्वास्थ्य और फायनेंसेस। फिर एक और चीज है अब तक आप घर में रहे हैं, यदि आपकी पॉकेट मनी खत्म हो गई है तो या तो आप बहन से ले सकते हैं या फिर मां से भी। घर से बाहर निकलते ही सबसे पहली दिक्कत खाने की और दूसरी पैसे ही महसूस होने लगती है। कुछ ऐसी चीजें हैं,

जो आपको घर से बाहर निकलने से पहले ही सीख लेनी चाहिए, ताकि घर से बाहर रहकर न आप परेशान हों, न आपके घर वाले और न ही आपके दोस्त।

काम चलाऊ कुकिंग : अपने घर में चाहे आपने कभी चाय का कंटेनर भी बर्नर पर न रखा हो, लेकिन अब चूंकि आप बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने खाने लायक काम चलाऊ कुकिंग सीख ही लेनी चाहिए। बाहर का खाना एक तो बहुत महंगा पड़ता है, दूसरा बाहर के खाने से स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में यदि आप अपने लिए खाना बनाना सीख लेते हैं तो ये आपके लिए ही बेहतर होगा। तो अभी से अपनी मम्मा को या सिस को अपना ट्यूटर बनाएं और कुकिंग शुरू करें।

याद रहें घर से बाहर जाते ही सबसे ज्यादा यदि कुछ याद आता है तो वह है घर का खाना। यदि आप फूडी है तो यह और भी ज्यादा जरूरी है कि आप कुकिंग सीख लें, क्योंकि कई बच्चे ऐसे भी होते हैं कि सिर्फ घर के खाने के लिए अपना कोर्स या जॉब छोड़कर लौट आते हैं। इसलिए जरूरी है कि कामचलाऊ खाना बनाना तो सीख ही लें, और यदि अच्छे खाने के शौकीन है तो फिर तो अच्छा खाना बनाना सीख लें।

बजटिंग : बाहर निकलते ही बजट गड़बड़ा जाता है। क्योंकि घर से बाहर रहते हुए हर छोटी-बड़ी बात के लिए पैसा लगने लगता है। ऐसे में बजट बनाना अच्छा विकल्प होगा। बजट बनाते हुए थोड़ा पैसा बचा कर रखें। किसी भी वक्त पैसे ही जरूरत पड़ सकती है। पैसा सोच-समझकर खर्च करें। पहले जरूरतों पर विचार करें, शौक को महीने के आखिरके लिए बचाकर रखें। वीक डेज में फिल्म देखें, सेल से कपड़े, शूज और एक्सेसरीज खरीदे। थोड़ी ग्रॉसरी की खरीदी में ध्यान रखें। अक्सर मॉल्स में वीक का कोई एक दिन या फिर मंथ के किसी एक दिन ऑ- फर्स और डिस्काउंट्स दिए जाते हैं, उसका उपयोग करें। कुछ बचत कर पाएंगे।

छुट्टी का उपयोग : अब तक आपको अपने कपड़ों के धोने और प्रेस करवाने की चिंता नहीं करनी पड़ती थी। अब ये चिंता आपको खुद ही करनी होगी। छुट्टी के दिन अपने कपड़े हर हाल में धो लें। और प्रेस कर ले, ताकि वीक डेज में काम करते हुए या इंस्टीट्यूट जाते हुए हड़बड़ी न करनी पड़े। छुट्टी वाले दिन बजाए दिन भर टीवी देखकर बिताने के आप अपने सप्ताह भर के पैंडिग काम निबटा लें।

रिश्ते बनाएं : हो सकता है कि अब तक आपने अपने घर के पास रह रही चोपड़ा आंटी से कभी हलो नहीं किया हो। क्योंकि उनसे मम्मा और दीदी बात कर ही लेती हैं और अंकल को कभी लिफ्ट न दी हो, क्योंकि पापा उनसे बात कर ही लेते हैं। लेकिन अब आप अपने आसपास के लोगों से संबंध बनाकर रखें। क्योंकि आप अकेले रहते हैं, और किसी भी वक्त आपको अपने पड़ोसियों की जरूरत हो सकती है। कभी देर से नींद खुली हो और पीने का पानी न हो, कभी देर रात आपको तेज बुखार आ रहा हो या फिर पनीर पकाते हुए गैस सिलेंडर खन्म हो गया हो। वजह तो एक हजार हो सकती है, लेकिन नसीहत सिर्फ यही है कि अपने आसपास के लोगों से संबंध बनाकर रखें। अच्छा भी लगेगा और जरूरत के वक्त मदद भी हो जाएगी।

शेयरिंग हो जाए : हो सकता है आप अपने अपने पेरैंट्स की इकलौती संतान हो। ऐसे में आपकी आदतें एकाधिकारवादी हो सकती है। जैसे आप अपनी किताबें किसी के साथ शेयर नहीं करते हैं, या आपकी बाइक आप किसी को यूज करने के लिए नहीं देते हैं। आपने जो अपनी बहन की शादी में ब्लैजर बनवाया था, वह आप अपने दोस्त को पहली डेट के लिए नहीं देते हों। तो अपनी आदतें बदल लीजिए। घर से बाहर निकलने के बाद भी यदि आपकी यही एकाधिकारवादी प्रवृत्ति बनी रही तो आप एकदम अकेले पड़ सकते हैं। दोस्त बनाने के लिए आपको शेयरिंग करना सीखनी होगी। इससे मदद भी हो जाएगी और दोस्ती भी गाढ़ी होगी। अपने बड़ों के आश्रय में रहते हुए बहुत सारा ऐसा होता है, जो हम नहीं सीख पाते हैं। घर से अलग होते ही हम बहुत सारी चीजें खुद-ब-खुद सीख जाते हैं। लेकिन यदि सीखने की मनस्थिति के साथ ही पढ़ने या नौकरी करने जाएं तो अकेले रहने का वो वक्त बहुत खुशनुमा व यादगार हो सकता है।

अपने आप बंद हो जाएंगे ब्राउजर के गैरजरूरी टैब

तकनीक

अक्सर इंटरनेट चलाते समय कई टैब खोलने की आदत पड़ जाती है लेकिन यूजर उसे बंद करना भूल जाते हैं जिसकी वजह से अधिक डाटा की खपत होती हैं और कंप्यूटर हैंग होने लगता है। मगर ब्राउजर के ये टैब खुद-ब-खुद बंद भी हो सकते हैं लेकिन इसके लिए एक्सटेंशन की मदद लेनी होगी। ऐसे ही खास एक्सटेंशन के बारे में बता रहे हैं रोहित कुमार...

गूगल क्रोम वेब स्टोर पर मौजूद Tab Wrangler एक्सटेंशन की सहायता से क्रोम ब्राउजर में खोले गए पुराने टैब जो प्रयोग नहीं किए जा रहे हैं वह तय समय के बाद खुद ब खुद बंद होने लगते हैं। इस मुफ्त एक्सटेंशन को अपने ब्राउजर में शामिल करने के लिए 'क्रोम ब्राउजर' खोलें, उसके सर्च बार chrome webstore टाइप करें। यहां बाईं ओर सर्च का विकल्प मिलेगा, उसमें Tab Wrangler टाइप कर दें। साथ ही सर्च बार के नीचे दिए गए विकल्पों में से Extensions का चयन करें। अब आपके सामने सबसे ऊपर Tab Wrangler लिखा मिलेगा, उस पर क्लिक करें और वह आपके ब्राउजर में शामिल हो जाएगा। इसका आइकन यूआरएल बार के दाईं तरफ दिखाई देगा। जरूरत पड़ने पर ऑटोमैटिक बंद होने वाले फीचर को रोक भी सकते हैं। इसके अलावा बंद हुए टैब को दोबारा खोलने के लिए इस एक्सटेंशन के आइकन को दबाने के बाद आपको रीस्टोर करने का विकल्प भी मिल जाएगा।

खुद तय करें टैब का समय

जब इस एक्सटेंशन को ब्राउजर में शामिल करेंगे तो उसमें 20 मिनट का समय पहले से सेट होता है। यानी कोई भी टैब 20 मिनट इस्तेमाल न होने पर खुद बंद हो जाएगा। इसमें दिए गए समय को कम और ज्यादा भी कर सकते हैं। समय को बदलने के लिए ब्राउजर के यूआरएल बार के पास दिए गए एक्सटेंशन के आइकन पर क्लिक करें। इसके बाद नई डिस्प्ले खुलेगी जिसमें ऊपर की ओर 'ऑप्शन' लिखा मिलेगा। इस पर क्लिक कर दें। यहां से आपको 20 मिनट का समय दिखाई देगा। इसके समय को यहीं से बढ़ा या घटा भी सकते हैं।

पसंदीदा टैब को कर सकते हैं लॉक

ब्राउजर में किसी एक टैब को खुला रखना चाहते हैं तो उसे लॉक किया जा सकता है। इसके लिए एक्सटेंशन के आइकन पर जाना होगा। इसके बाद जो स्क्रीन खुलेगी उसमें ट्ठथ ख्रधदद्म पर क्लिक करें। यहां से ब्राउजर में खुली सभी वेबसाइट को एक साथ देख सकते हैं। इसके अलावा जिस टैब को लॉक करना चाहते हैं उसके सामने दिए गए बॉक्स पर टच कर दें। यह वेबसाइट तब तक लॉक रहेंगी जब तक आपका कंप्यूटर खुला रहेगा। वहीं स्थायी तौर पर किसी वेबसाइट को खुला रखना चाहते हैं तो एक्सटेंशन के आइकन पर दोबारा क्लिक करने के बाद ऊपर की तरफ तीसरे नंबर पर दिए गए 'ऑप्शन' पर क्लिक करने के बाद सबसे नीचे Auto-Lock लिखा मिलेगा, उसके नीचे दिए गए बॉक्स में जिस वेबसाइट को लॉक करना चाहते हैं उसका यूआरएल कॉपी कर शामिल कर दें।

ऐसे बना सकते है शादी जिंदगी को कामयाब

रिश्ते-नाते

शादी लाइफ का खास और खुशी भरा लम्हा होता है। इस पल को यादगार बनाने के लिए अपने साथी की छोटी-बड़ी खुशी का ध्यान रखना जरूरी होता है। कहा जाता है शादी और खुशी ऐसा पॉजीटिव रिलेशनशिप है जिसमें अविवाहिता की तुलना में शादीशुदा लोग ज्यादा खुश रहते है। कैसे आइये जानें कामयाब शादी के लाभों के बारे में...

1.सफल शादीशुदा पति-पत्नी हमेशा खुशी के एहसास में जीते हैं। वह लाइफ में होने वाली परेशानियों से कभी निराश नहीं होते।

2.विवाह एक सुरक्षा कवच की तरह होता है, जो पति-पत्नी दोनों को एक सफल जीवन जीने में अश्वासन देती है।

3.रोमांस के पलों को यादगार बनाने के लिए अपने साथी को हॉट मैसेज भेजें, खुशबू वाले कैंडल से अपने साथी के लिए कैंडल लाइट डिनर अरेंज कर उनके करीब आएं ।

4. अपने साथी का ढाल बन कर साथ देना अच्छी बात है अगर आपको लगता है कि आपका पार्टनर सही कह रहा है ऐसे समय में उसका पूरा-पूरा साथ दें, यह बात उसे एहसास दिलाएगी कि वह अकेला नहीं है।

5.याद रखें कि हर रात पहली रात ही है इसलिए पहले अपनी पत्नी की भावनाओं का ख्याल रखें। अगर बात नहीं बनती है तो रोमांस के पलों में समय लगाएं ।

6.अपने पार्टनर की दी हुई सभी चीजों को अपने पास यादगार के तौर पर रखें। इससे आप दोनों एक-दूसरे के पहले से भी ज्यादा करीब आ जाएंगे ।

7.अपने पार्टनर को यह एहसास दिलाएं कि जो बातें और रिलेशनशिप उसे आपके साथ शेयर करनी चाहिए, वो किसी और के साथ अंजाने में शेयर कर रहे हैं।

8.दुख-सुख बांटने से पति-पत्नी दोनों जहां एक तरफ अपनी सारी परेशानियों से बाहर निकल आते हैं, वहीं फाइनेंशियली भी सुरक्षा महसूस होती है।

9.जब तनाव न हो, तो मन शांत रहता है और काम करना बोझ नहीं लगता। फिर चाहे वह घर का काम हो या ऑफिस का, व्यक्ति मन लगाकर करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद साबित होगा पानी

यह सलाह तो आपने सुनी ही होगी कि रोज 8 से 10 ग्लास पानी पिया करो...। सवाल यह है कि यह 8-10 ग्लास पानी का गणित आखिर क्या है और क्या यह आंकड़ा हर हाल में, सबके ऊपर लागू होता है? सच तो यह है कि 8 से 10 ग्लास पानी पीने की उक्ति महज एक मोटी-मोटी गाइडलाइन है। कुछ लोगों को प्रतिदिन इससे अधिक पानी पीने की भी जरूरत पड़ सकती है और कुछ लोगों का काम इससे कम पानी पीने से भी चल सकता है।

खैर, यह तो हुई सामान्य तौर पर पानी पीने की बात। मगर क्या आप जानते हैं कि पानी वजन घटाने में भी मददगार हो सकता है? जी हां, यदि आपका वजन सामान्य से अधिक है, तो पानी आपका वजन घटाने का 'जादू' भी कर सकता है। खास तौर पर यदि आप अधिक नमक वाला, प्रोसेस्ड फूड ज्यादा खाते हैं और इसी के माध्यम से आपको अधिकांश कैलोरी प्राप्त होती हैं, तो पानी वाकई आपके लिए वजन घटाने वाला जादूगर साबित हो सकता है। जानते हैं कैसे:

वसा को भस्म करता है पानी : शोध में पाया गया है कि किसी हाई-कैलोरी ड्रिंक के बजाए पानी पीने से 40 प्रतिशत अधिक फैट, यानी वसा बर्न होती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप भोजन के साथ सोडा, जूस आदि कैलरी से भरपूर ड्रिंक्स मे बजाए पानी ही पिएं।

बीएमआई होता है कम : अधिक पानी पीने से आपका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) भी कम होता है। इसके पीछे कारण यह है कि अधिकांश लोग प्रतिदिन लगभग एक जैसी मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन करते हैं। ऐसे में यदि वे पानी का अनुपात बढ़ा दें, तो अन्य, कैलोरी प्रधान तरल पदार्थों का सेवन स्वतः कम हो जाएगा। इससे उनका कैलोरी इनटेक घट जाएगा और वजन घटाने में मदद मिलेगी।

भूख में कटौती : हालांकि भूखे रहना वजन घटाने का कोई सही तरीका नहीं है लेकिन यदि आपमें आवश्यकता से अधिक खाने की आदत है, तो पानी यहां आपकी मदद कर सकता है। 12 सप्ताह तक चली एक शोध में देखा गया कि जिन लोगों ने भोजन से पहले दो ग्लास पानी पिया, उन्होंने पहले से कम मात्रा में भोजन ग्रहण किया। कैलोरी प्रधान ड्रिंक पीने वालों के मुकाबले इन पानी पीने वाले लोगों का वजन 44 प्रतिशत ज्यादा घटा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**